केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

# मालवा हेराल्ड

**सुविचार**

*केवल ज्ञान ही ऐसा अक्षर तत्व है जो कहीं भी,किसी अवस्था और किसी काल में भी मनुष्य का साथ नहीं छोड़ता*

वर्ष : 17 अंक : 34 | उज्जैन, मंगलवार 14 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

## न्यूज ब्रीफ

### सुप्रीम कोर्ट की बड़ी कार्रवाई, पार्श्वनाथ डेवलपर्स के बैंक खाते फ्रीज; शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ वारंट जारी

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** सुप्रीम कोर्ट ने घर खरीदारों के अधिकारों की घोर अनदेखी किए जाने पर हरियाणा की रियल एस्टेट कंपनी पार्श्वनाथ डेवलपर्स के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को पार्श्वनाथ डेवलपर्स व उसके निदेशकों के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया और कंपनी के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किए। शीर्ष अदालत ने यह कदम वरिष्ठ नागरिकों की ओर से अपने घरों का कब्जा पाने के लिए 20 वर्ष से जारी संघर्ष पर गौर करते हुए उठाया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (हरियाणा रेरा) की ओर से रियल एस्टेट कंपनी के खिलाफ जारी किए गए आदेश को लागू करने में विफलता के लिए हरिणाया के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। पीठ ने कहा कि यह मामला घर खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए बना कानून रियल एस्टेट (रेगुलेशन और डेवलपमेंट) एक्ट, 2016 की प्रभावशीलता को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करता है। पीठ में सीजेआइ के अलावा जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना भी शामिल रहे। पीठ ने नियामकीय प्राधिकरणों की सुस्ती पर गहरी चिंता जताई और हरियाणा सरकार के प्रशासनिक तंत्र व बिल्डर के बीच मिलीभगत का संकेत दिया। यह सुनिश्चित करने के लिए बिल्डर न्यास से न बच सकें, पीठ ने तत्काल प्रभाव से पार्श्वनाथ हेसा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, पार्श्वनाथ डेवलपर्स लिमिटेड और उनके प्रबंध निदेशकों व निदेशकों के निजी बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया। पीठ ने आदेश में कहा कि चूंकि बिल्डर मुख्य रूप से हरियाणा में का काम कर रहे हैं, हम हरियाणा के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और सभी कलेक्टरों, आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों और सभी बैंकों को इन निर्देशों का पालन करने और अनुपालन शपथ पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश देते हैं।

### मिशन-2027 को लेकर भाजपा ने लगाया चुनावी गियर, हारी और दस हजार से कम वोटों से जीती सीटों के लिए बनाई नई रणनीति

**लखनऊ/ जीएनएस।** मिशन-2027 को लेकर भाजपा कई रणनीतियों को एक साथ चुनावी धार देने में जुटी है। हारी और दस हजार से कम वोटों से जीती विधान सभा सीटों पर ऐसे प्रभारियों की नियुक्ति की जाएगी, जिनके पास कांटे की टक्कर वाली सीटों पर चुनाव लड़ने या लड़ाने का अनुभव होगा। पार्टी ऐसी सीटों एवं विधान सभा प्रभारियों की सूची बनानी शुरू कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने पदाधिकारियों को होमवर्क दे दिया है। भाजपा ने मिशन-2027 के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। 25 जून को प्रदेश पदाधिकारियों एवं छह मोर्चों एवं छह क्षेत्रीय अध्यक्षों की घोषणा की गई। चार और पांच जुलाई को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, संगठन के पदाधिकारियों समेत कई अन्य बुजुर्ग नेताओं से मिलकर चुनावी वातावरण को और मजबूत करने का प्रयास किया। प्रदेश अध्यक्ष ने 2017 एवं 2022 विधान सभा चुनावों का विश्लेषण कराया, जिसके बाद 2024 लोकसभा में विधान सभा वार पार्टी के प्रदर्शन का भी आंकड़ा निकाला गया। 18 जिलों में सपा ने भाजपा को हराया है जहां अब पार्टी केंद्रीय मंत्रियों एवं संगठन के दिग्गजों को क्लस्टर वाइज प्रभारी बना सकती है। जिन सीटों पर भाजपा कभी नहीं जीती या एकाध बार ही विजयी रही, वहां भी कड़ी सीटों पर चुनाव लड़ने वाले अनुभवी चेहरों को प्रभारी बनाने की चर्चा है।

# एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में लगभग 40 हज़ार करोड़ के निवेश हुए प्राप्तः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**28 हज़ार 200 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी योजनाएँ धरातल पर हुई साकार**

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में 51 प्रमुख गतिविधियाँ संपन्न हुई इन गतिविधियों से लगभग 40 हजार करोड़ रूपये का निवेश और 34 हजार से अधिक रोजगार अवसरों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 की यात्रा में राज्य सरकार ने अपने सभी संकल्पों को पूरा किया है। पिछले 2 टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव के माध्यम से प्रदेश को 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के बाद से टेक्नोलॉजी क्षेत्र में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है। इस अवधि में 22 नई औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और 4 नई परियोजनाओं का भूमि-पूजन किया गया है, जो राज्य सरकार की कार्य गति और आत्मविश्वास का परिचायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 जीसीसी, डेटा

सेंटर एवं सेमीकंडक्टर के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी क्षमता, योग्यता और बुद्धिमत्ता के आधार पर विश्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत का गौरवशाली अतीत पूरी दुनिया के सामने है और पिछले 12 वर्षों में भारत ने विश्व के सबसे तेज गति से विकसित होने वाले देशों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि भारत सभी क्षेत्रों में दुनिया को नई दिशा दे रहा है और इस विकास यात्रा में मध्यप्रदेश भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कृषि, खनिज और वनों की पारंपरिक पहचान से आगे बढ़ते हुए प्रदेश आज डिफेंस, ड्रोन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से लेकर फ्यूचर ग्रोइंग सेक्टर तक तेजी से प्रगति कर रहा है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 प्रदेश की इसी विकास यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार एआई, डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर सहित सभी छोटे एवं बड़े उद्योगों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और सभी उद्योग समूहों को समान रूप से हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश साइंस सिटी, एआई, डीप टेक पार्क और डेटा सेंटर सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार एआई सहित सभी क्षेत्रों में नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल है।यहाँ व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर सकता है। मध्यप्रदेश की पहचान भारत रत्न से सम्मानित स्व? अटल बिहारी वाजपेयी से भी जुड़ी है, जिन्होंने देश के गौरवशाली अतीत से विश्व को परिचित कराया और संयुक्त राष्ट्र महासभा में राष्ट्रभाषा हिंदी में अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी उसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हिंदी में विश्व को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के साथ आगे बढ़ते हुए मध्यप्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और सबसे युवा देश है। देश में प्रगति की असीम संभावनाएं हैं और राज्य सरकार युवाओं की योग्यता एवं क्षमता का पूरा उपयोग सुनिश्चित करते हुए उन्हें पर्याप्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

## आखिरी बातचीत में मां से मांगे थे 6000 रुपये, हैदराबाद के छात्र की फिनलैंड में मौत पर परिवार ने उठाए सवाल

**हैदराबाद/ जीएनएस।** फिनलैंड में रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुए हैदराबाद के 18 वर्षीय छात्र मनीदीप रेड्डी गुज्जा को दो महीने से अधिक समय के बाद शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर मृत घोषित कर दिया गया। फिनलैंड के नेशनल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की इस घोषणा ने उस दर्दनाक खोज को खत्म कर दिया है, जिसने उनके परिवार को हताश कर दिया था।

हालांकि, फिनिश अधिकारियों का कहना है कि मौत के पीछे किसी

अपराध के संकेत नहीं हैं, लेकिन मनीदीप के परिवार ने साजिश का आरोप लगाते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की है।

मनीदीप रेड्डी हैदराबाद के रहने वाले थे और फिनलैंड की लैपेनरंता-लाहटी यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे थे। वह 4 मई से लापता थे।

9 जुलाई को मनीदीप के परिवार को NBI से एक ईमेल मिला, जिसमें बताया गया कि उस जगह के पास समुद्र से एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ है, जहां मनीदीप को आखिरी बार देखा गया था। शुक्रवार शाम को अधिकारियों ने परिवार को सूचित किया कि आधिकारिक पहचान प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मिली जानकारी के अनुसार, उंगलियों के निशान के मिलान से यह पुष्टि हुई कि शव मनीदीप का ही था, क्योंकि उनके फिंगरप्रिंट फिनिश आव्रजन रजिस्टर के रिकॉर्ड से मेल खा गए।

फिनिश अधिकारियों ने परिवार को यह भी बताया कि मृतक के शरीर से एक वॉलेट बरामद हुआ है, जिसमें मनीदीप के नाम का फिनिश पहचान पत्र था।

## दिल्ली में नया सफर योजना लागू, पुराने ट्रक-बस हटने पर 100% तक टैक्स छूट

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** दिल्ली सरकार ने राजधानी और एनसीआर में प्रदूषण फैलाने वाले पुराने ट्रकों और बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की नया सफर योजना लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड के माध्यम से संचालित इस योजना का उद्देश्य बीएस-चार और उससे पुराने व्यावसायिक वाहनों के स्थान पर बीएस-छह अथवा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है। योजना के तहत आर्थिक प्रोत्साहन, टैक्स में छूट और स्क्रैपेज लाभ दिए जाएंगे।

योजना के अनुसार पात्र नए वाहनों पर 100 प्रतिशत मोटर व्हीकल टैक्स की छूट, पात्र पुरानी (यूज्ड) गाड़ियों की खरीद पर 10 वर्ष के लिए 50 प्रतिशत टैक्स राहत, रजिस्ट्रेशन फीस माफी तथा स्क्रैप किए जाने वाले पात्र वाहनों के रोड टैक्स और फिटनेस पेनल्टी में छूट मिलेगी।

## 1.15 करोड़ छात्र होने के बावजूद 12वीं तक पहुंचते-पहुंचते स्कूल छोड़ देते हैं 45% बच्चे, रिपोर्ट में खुलासा

**गांधीनगर/ जीएनएस।** केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी साल 2025-26 की यूडाइस प्लस रिपोर्ट में गुजरात की स्कूली शिक्षा को लेकर कुछ चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के 53425 स्कूलों में 1.15 करोड़ छात्र रजिस्टर्ड हैं, लेकिन कक्षा 12वीं तक केवल 54.5% बच्चे ही अपनी पढ़ाई पूरी कर पाते हैं। इसका मतलब यह है कि करीब 45.5% छात्र स्कूल बीच में ही छोड़ देते हैं।

लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर - लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर स्कूल में टिके रहने (रिटेंशन) के मामले में गुजरात का औसत (54.5%) राष्ट्रीय औसत (51.9%) से थोड़ा बेहतर है।

इसमें लड़कों का रिटेंशन रेट 53त्न और लड़कियों का 56.2% है।

रिपोर्ट बताती है कि शुरुआती पढ़ाई में तो 100त्न बच्चे स्कूल में टिके रहते हैं, लेकिन मिडिल स्कूल (कक्षा 6 से 8) में यह आंकड़ा घटकर 90.4% हो जाता है और माध्यमिक स्तर (हाई स्कूल) पर इसमें भारी गिरावट आती है। गुजरात में माध्यमिक स्तर पर ड्रॉप-आउट (स्कूल छोड़ने की) दर 12.5% है, जो कि 7% के राष्ट्रीय औसत से काफी ज्यादा है।

बता दें कि गुजरात में प्रति स्कूल औसतन 7 शिक्षक हैं, जो राष्ट्रीय औसत के बराबर है। हालांकि, राज्य में हर 29 छात्रों पर एक शिक्षक (29ः1) है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 24 छात्रों पर एक शिक्षक का है। इसके अलावा राज्य में 58 स्कूल ऐसे हैं जहां एक भी छात्र नहीं है, लेकिन वहां 74 शिक्षक कार्यरत हैं। (देशभर में ऐसे 5663 स्कूल और 20667 शिक्षक हैं)। इतना ही नहीं गुजरात के 2335 स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं, जिनमें कुल 80053 छात्र पढ़ रहे हैं।

## गन्ना नहीं... अब मक्का वाला इथेनॉलः नए मॉडल से बदल रही ईंधन की कहानी, 717 करोड़ लीटर की रिकॉर्ड सप्लाई

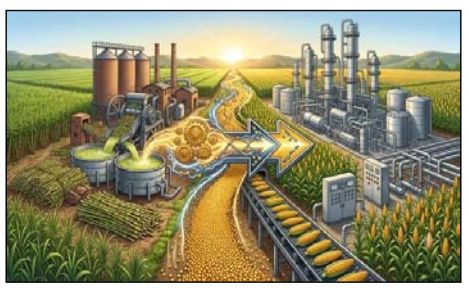

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** भारत का इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम अब गन्ना आधारित माडल से निकलकर मक्का और अन्य अनाजों की ओर तेजी से बढ़ने लगा है। जून 2026 तक तेल विपणन कंपनियों को 717 करोड़ लीटर इथेनॉल की आपूर्ति हुई है। इसमें 67 प्रतिशत हिस्सा अनाज आधारित और गन्ना की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। अकेले मक्का से 258 करोड़ लीटर इथेनॉल बनाया गया, जो सबसे बड़ी हिस्सेदारी है।

ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन के अनुसार 1,048 करोड़ लीटर इथेनॉल आपूर्ति का करार है, जिसके मुकाबले जून तक 717 करोड़ लीटर आपूर्ति हो चुकी है। यह लक्ष्य का 68 प्रतिशत है। कुल आपूर्ति में 480 करोड़ लीटर इथेनॉल अनाज आधारित है, जबकि गन्ना आधारित स्त्रोतों से 238 करोड़ लीटर मिला।

अनाज में मक्का से 258 करोड़ लीटर, एफसीआई के अतिरिक्त खाद्यान्न से 177 करोड़ लीटर, गन्ने के रस से 144 करोड़ लीटर, बी-हेवी मोलासेस से 82 करोड़ लीटर और क्षतिग्रस्त खाद्यान्न से 45 करोड़ लीटर इथेनॉल तैयार हुआ। यानी मक्का का योगदान गन्ने के रस और बी-हेवी मोलासेस के संयुक्त उत्पादन से भी अधिक है और कुल इथेनॉल उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी करीब 35 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

यह परिवर्तन वर्ष 2023 से तेज हुआ। कमजोर मानसून से गन्ना उत्पादन प्रभावित होने पर सरकार ने चीनी की घरेलू उपलब्धता बनाए रखने के लिए गन्ने के रस से इथेनॉल उत्पादन पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी थी।

## राम मंदिर चंदा चोरी से पेपर लीक तकः मानसून सत्र में क्या होंगे विपक्ष के मुद्दे? केंद्र को घेरने की बनाई रणनीति

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** परिसीमन बिल की दुबारा वापसी की जारी चर्चाओं के बीच अगले हफ्ते शुरू होने जा रहे संसद के मानसून सत्र में विपक्षी दलों ने सरकार को बैकफुट पर रखने वाले मुद्दों के साथ साझा रणनीति पर चर्चा शुरू कर दी है।

विपक्ष की इस शुरूआती मंत्रणा से साफ है कि अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर से चढ़ावे की बड़ी चोरी, पेपर लीक-सीबीएसई मार्किंग विवाद, पेट्रोल में इथेनोल मिलावट के नुकसान, चुनाव आयोग की विवादित एसआइआर प्रक्रिया से लेकर आर्थिक-चुनौतियों, महंगाई और बेरोजगारी जैसे ज्वलंत मुद्दों को

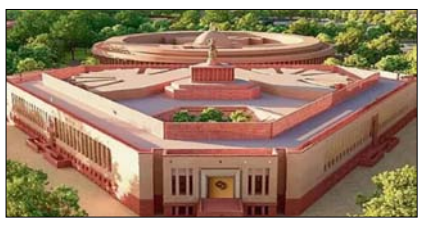

आइएनडीआए गठबंधन संसद में प्रमुखता से उठाएगा।

इसमें भी विपक्षी पार्टियां श्रीराम मंदिर से चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर संसद में भाजपा सरकार के खिलाफ आक्रामक हमला बोलने की तैयारी में हैं। तृणमूल कांग्रेस तथा शिवसेना यूबीटी के संयुक्त रूप से 26 लोकसभा सांसदों के टूट कर भाजपा-एनडीए से जुड़ने के घटनाक्रम से डगमगाई विपक्षी राजनीति को मानसून सत्र में स्थिरता और एकजुटता प्रदान करने के लिए प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को सबसे संवेदनशील मुद्दा मान रही है।

इसीलिए चढ़ावा-चंदा चोरी को मानसून सत्र के दौरान सबसे पहले मुद्दे के तौर पर आक्रामक तरीके से उठाने के लिए विपक्षी दलों के बीच साझी रणनीति पर चर्चा हो रही है।

कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश वैसे भी पार्टी की ओर से अयोध्या चढ़ावा चोरी कांड को संसद में उठाए जाने के इरादे साफ करते हुए कह चुके हैं आरएसएस-विहिप और भाजपा ने भगवान श्रीराम की आस्था से धोखा कर देश के करोड़ो लोगों की भावना को आघात पहुंचाया है। इसलिए विपक्षी दल मंदिर से चढ़ावे की चोरी की सुप्रीम कोर्ट के सीटिंग जज की देख-रेख में जांच की मांग संसद में भी पूरजोर तरीके से उठाएंगे। पेपर लीक के कारण नीट समेत कई अन्य परीक्षाएं रद्द होने के हालिया मामलों के साथ सीबीएसएसई की 12वीं बोर्ड की आनलाइन मार्किंग प्रणाली की गंभीर त्रुटियों को लेकर आकोशित छात्रों का मुद्दा भी विपक्ष की प्राथमिकता सूची में है।

## तेलंगाना में छह हत्याओं का आरोपी राजकुमार फरार, तलाश में जुटी पुलिस की 12 टीमें

**हैदराबाद/ जीएनएस।** छह लोगों के हत्यारे की तलाश के लिए तेलंगाना पुलिस ने 12 टीम बनाई हैं। उस पर अपनी पत्नी, दो बच्चों और उस परिवार के तीन सदस्यों (जिनमें पीड़ित भी शामिल है) की चाकू मारकर हत्या करने का आरोप है, जिन्होंने उसके खिलाफ पाक्सो का मामला दर्ज कराया था।

पुलिस ने आरोपित की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले के लिए दो लाख रुपये इनाम की घोषणा की है। आरोपित पर बच्चों को यौन शोषण से बचाने वाले कानून पाक्सो के तहत मई में मामला दर्ज किया गया था, क्योंकि उसने कथित तौर पर नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न किया था। उसे पिछले महीने ज़मानत पर रिहा किया गया था।

हत्या का कारण स्पष्ट नहीं है, हालांकि पुलिस को शक है कि ये हत्याएं आपराधिक मामले को लेकर बदले की भावना से की गई थीं। पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि रंगारेड्डी ज़िले में 10 जुलाई की रात हत्याएं करने वाले बी.

राजकुमार की तलाश में 12 टीमें लगी हैं। इस बीच फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नर तरुण जोशी ने पुलिस सब-इंस्पेक्टर रमेश को सस्पेंड कर दिया, जो पाक्सो मामले में जांच अधिकारी थे।

पीटीआई के अनुसार जांचकर्ताओं ने उसकी काल से मिले टेक्निकल डाटा का विश्लेषण किया । राजकुमार ने हत्याएं करने से एक दिन पहले अपनी पत्नी के फोन से आनलाइन पेमेंट करके एक ट्रांसपोर्टर से कार किराये पर ली थी। गाड़ी का ईंधन खत्म होने के बाद, आरोपित ने नंदीगामा पुलिस स्टेशन के इलाके में रेलवे ट्रैक के पास कार छोड़ दी।

राजकुमार ने कथित तौर पर रात 11ः30 बजे से आधी रात के बीच, लगभग छह किलोमीटर की दूरी पर स्थित दो जगहों पर हत्याएं कीं। आरोपित ने नाबालिग, उसकी मां और नानी की हत्या कर दी। उसने अपनी पत्नी सरिता और दो बेटों जिनकी उम्र चार साल और डेढ़ साल थी की भी हत्या कर दी।

राजकुमार ने कथित तौर पर चाकू से सभी छह पीड़ितों पर वार किया और फिर गले रेत दिए। रात करीब 11ः50 बजे अपने पिता को फोन करके उन्हें इन हत्याओं के बारे में बताया। राजकुमार के पिता पुलिस स्टेशन गए और पुलिस को अपने बेटे के कथित स्वीकारोक्ति के बारे में जानकारी दी।

# पुराने इंदौर में भवन अनुज्ञा, नामांतरण घोटाले और आवास अधिकारों को लेकर नगर निगम पर बरसीं नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट, जनआंदोलन की दी चेतावनी

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष एवं वार्ड क्रमांक 45 की पार्षद सोनिला मिमरोट भाटिया ने पुराने इंदौर में वर्षों से लंबित भवन अनुज्ञा (नक्शा स्वीकृति), नामांतरण घोटाले और गरीबों के आवास अधिकारों के मुद्दे पर भाजपा सरकार और नगर निगम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि जनहित से जुड़े इन मामलों में शीघ्र ठोस और वैधानिक कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस जनता, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और युवाओं के साथ मिलकर नगर निगम मुख्यालय का घेराव और जनआंदोलन करेगी।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए सोनिला मिमरोट ने कहा कि पुराने इंदौर में डाटा फॉर्म के नाम पर वर्षों से नागरिकों के भवन नक्शे स्वीकृत नहीं किए जा रहे हैं, जिससे उनके संवैधानिक और वैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के मकान सड़क चौड़ीकरण के दौरान तोड़े गए, उन्हें अब तक समुचित मुआवजा नहीं मिला और अपनी ही भूमि पर नया निर्माण करने के लिए भी उन्हें अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने महापौर पुष्यमित्र भार्गव से सवाल किया कि पिछले एक वर्ष से डाटा फॉर्म के आधार पर नक्शे मंजूर होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन इसका लाभ नागरिकों को अब तक क्यों नहीं मिला। उन्होंने यह भी कहा कि यदि नगर निगम स्वयं समय पर नक्शे स्वीकृत नहीं कर पा रहा है, तो ऐसे में नागरिकों द्वारा किए गए निर्माण को तोड़ने का उसके पास नैतिक अधिकार नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष ने नगर निगम में कथित नामांतरण घोटाले को शहर का सबसे बड़ा प्रशासनिक घोटाला बताते हुए कहा कि करीब 360 नागरिकों की संपत्तियों का नामांतरण उनकी जानकारी के बिना दूसरे लोगों के नाम कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इतने गंभीर मामले के बावजूद महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की है। उनका कहना है कि पहले जांच एक अपर आयुक्त को सौंपी गई, लेकिन रिपोर्ट आने से पहले ही तीन अपर आयुक्तों की नई जांच समिति गठित कर दी गई, जिससे जांच को लंबा खींचने और दोषियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है और पूरे प्रकरण को जांच के नाम पर ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश की जा रही है।

सोनिला मिमरोट ने भवन अनुज्ञा शाखा की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वर्ष 2021 में मध्यप्रदेश शासन द्वारा कॉलोनी अधिनियम में संशोधन किए जाने के बावजूद नगर निगम ने वर्षों तक उसका पालन नहीं कराया। उन्होंने कहा कि अब पांच वर्ष बाद करीब 300 बिल्डरों और कॉलोनाइजरों को आश्रय निधि जमा करने के नोटिस जारी किए जा रहे हैं। यदि नियमों का समय पर पालन कराया गया होता, तो बहुमंजिला भवनों में बीपीएल और ईडब्ल्यूएस वर्ग के गरीब परिवारों को आवास का लाभ मिल सकता था। उन्होंने नगर निगम आयुक्त से मांग की कि वर्ष 2021 से अब तक नियमों का पालन नहीं कराने वाले अधिकारियों की जांच कर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए, उनकी गोपनीय चरित्रावली में लापरवाही दर्ज की जाए और उनकी पदोन्नति तथा वेतनवृद्धि पर रोक लगाने का प्रस्ताव शासन को भेजा जाए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यदि इन सभी जनहित के मुद्दों पर जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस संवैधानिक दायरे में रहते हुए इंदौर की जनता, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और युवाओं के साथ मिलकर नगर निगम मुख्यालय का घेराव, तालाबंदी और व्यापक जनआंदोलन करेगी।

## जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने में प्रदेश की महत्वपूर्ण उपलब्धि

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता संरक्षण, संवर्धन और उससे जुड़े पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। जैव संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग से प्राप्त लाभों के न्यायसंगत और संतुलित एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग (एबीएस) की दिशा में प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जैव विविधता अधिनियम, 2002 (संशोधित 2023) के प्रावधानों के अंतर्गत जैव संसाधनों का वाणिज्यिक उपयोग करने वाले व्यापारियों एवं विनिर्माताओं से प्राप्त एबीएस राशि में से मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने प्रदेश के बुरहानपुर एवं उमरिया वनमंडलों की 153 जैव विविधता प्रबंधन समितियों और अन्य पात्र लाभार्थियों को कुल ?48.12 लाख की राशि वितरित की है। बोर्ड द्वारा अब तक प्रदेश के 33 वनमंडलों की 1,164 जैव विविधता प्रबंधन समितियों एवं लाभ के दावेदारों को कुल ?499.50 लाख की एबीएस राशि वितरित की जा चुकी है।

यह पहल जैव विविधता संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को सुदृढ़ करने के साथ जैव संसाधनों के सतत उपयोग और उनसे प्राप्त लाभों के न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

## इंदौर में विकास कार्यों की जोनवार समीक्षा शुरू, महापौर ने समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्यों के दिए निर्देश

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराने के उद्देश्य से महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नगर निगम की जोनवार समीक्षा बैठकों की शुरुआत कर दी है। अभियान की शुरुआत सोमवार को विधानसभा-2 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जोन-17 से हुई, जहां विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया।

समीक्षा बैठक में स्थानीय पार्षद सोनाली परमार और संध्या राधाकिशन जायसवाल, नगर निगम के अपर आयुक्त मनोज पाठक, जोन स्तरीय अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं और गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि शहर के सभी जोनों में क्रमवार समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। प्रत्येक जोन में अब तक किए गए विकास कार्यों और आगामी परियोजनाओं पर संबंधित पार्षदों, जोन अध्यक्षों और अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि 13 से 16 जुलाई तक सभी जोनों में समीक्षा बैठकें आयोजित कर विकास कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा। जोन-17 की समीक्षा के दौरान मास्टर प्लान की प्रमुख सड़कों, अमृत मिशन के तहत जल प्रदाय और ड्रेनेज परियोजनाओं सहित अन्य आधारभूत विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। महापौर ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और इसका लोकार्पण अगले महीने प्रस्तावित है। उन्होंने नरवल नाले पर बन रही रिटेनिंग वॉल और सड़क निर्माण परियोजना को भी शहर के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इसके पूर्ण होने से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल विकास योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू कर नागरिकों तक उनका लाभ पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक जोन में नियमित समीक्षा कर विकास कार्यों की प्रगति पर नजर रखी जाएगी, ताकि शहर के सभी क्षेत्रों में समान गति से विकास सुनिश्चित किया जा सके।

# इंदौर में घरेलू गैस सिलेंडर चोरी करने वाला गिरोह गिरफ्तार, 11 सिलेंडर और चोरी की बाइक बरामद

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आज़ाद नगर थाना पुलिस ने घरेलू गैस सिलेंडर चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 घरेलू गैस सिलेंडर और एक चोरी की हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। जब्त किए गए सामान की कुल अनुमानित कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार शहर में चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त जोन-1 नरेंद्र रावत, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुमित केरकेट्टा और सहायक पुलिस आयुक्त रविंद्र बिलवाल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आज़ाद नगर के नेतृत्व में गठित टीम लगातार संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी।

इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि नेतराम का बगीचा क्षेत्र में एक युवक चोरी की मोटरसाइकिल कम कीमत में बेचने की कोशिश कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर मूसाखेड़ी निवासी 22 वर्षीय मोहित यादव को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई, जो आज़ाद नगर थाना क्षेत्र से चोरी गई थी और जिसके संबंध में पहले से मामला दर्ज था।

मोहित से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके दो साथियों गर्वत उर्फ काका उर्फ बाबा और कुणाल उर्फ कुन्न, दोनों निवासी मूसाखेड़ी, को भी गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों के कब्जे से 11 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए, जिन्हें चोरी कर कम दामों में बेचने की तैयारी की जा रही थी।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तीनों आरोपी नशे के आदी हैं और अपनी नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपियों ने शहर के अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह की वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं।

# इंदौर में बुजुर्ग महिला से चैन स्नैचिंग करने वाली गैंग गिरफ्तार, सोने की चैन और चोरी की बाइक बरामद

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मल्हारगंज थाना पुलिस ने बुजुर्ग महिला से चैन स्नैचिंग की वारदात का खुलासा करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीनी गई सोने की चैन, वारदात में इस्तेमाल किया गया लोहे का चाकू और चोरी की पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपियों से शहर में हुई अन्य चैन स्नैचिंग और संपत्ति संबंधी अपराधों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 9 जुलाई 2026 को 82 वर्षीय इंदिरा जैन, निवासी साउथ राजमोहल्ला, सुबह जैन मंदिर जा रही थीं। इसी दौरान पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार तीन बदमाशों ने उनके गले से करीब 8 से 10 ग्राम वजनी सोने की चैन झपट ली और मौके से फरार हो गए। घटना की शिकायत मिलने के बाद मल्हारगंज थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस आयुक्त संतोष सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी और पुलिस उपायुक्त नरेंद्र सिंह रावत के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र और साइबर सेल की मदद से जांच शुरू की। घटनास्थल और आरोपियों के संभावित मार्गों पर लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान की गई।

जांच के दौरान सूचना मिली कि वारदात में शामिल आरोपी इंदौर एयरपोर्ट के मुख्य गेट के पास चोरी की पल्सर मोटरसाइकिल के साथ मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी मोटरसाइकिल से भागने लगे, लेकिन पीछा करने पर गोकुलधाम कॉलोनी के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे गिर गई। इसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने बुजुर्ग महिला से चैन स्नैचिंग की वारदात करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर छीनी गई सोने की चैन, वारदात में इस्तेमाल किया गया लोहे का चाकू और पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई। जांच में यह भी सामने आया कि मोटरसाइकिल अहीरखेड़ी क्षेत्र से चोरी की गई थी, जिसकी अलग से जांच की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोशन सिंह, सुलिन्दर सिंह और सुखवीर सिंह, तीनों निवासी आकाश नगर, द्वारिकापुरी, इंदौर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और उनसे शहर में हुई अन्य चैन स्नैचिंग एवं संपत्ति संबंधी अपराधों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

## इंदौर में जोन-3 के दो जर्जर भवन और नगर निगम के 12 पुराने क्वार्टर हटाए गए

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जनसुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए इंदौर नगर निगम ने शहर में जर्जर और खतरनाक भवनों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते हुए सोमवार को जोन-3 क्षेत्र में दो जर्जर भवनों और नगर निगम के 12 पुराने जर्जर क्वार्टरों को ध्वस्त किया।

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर यह कार्रवाई निर्माणाधीन मेट्रो स्टेशन के पास स्थित भवनों पर की गई। निगम के अनुसार ये भवन काफी जर्जर हो चुके थे और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए थे। संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से इन्हें हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी पल्लवी पाल, भवन निरीक्षक जोशना उबनारे, सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे तथा एमजी रोड थाना पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। नगर निगम ने बताया कि शहर में चिन्हित जर्जर और खतरनाक भवनों के खिलाफ आगामी दिनों में भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि जनहानि की आशंका को समाप्त किया जा सके।

## प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में चलेगा 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान संचालित किया जाएगा। यह अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक चलेगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को अभियान के अंतर्गत समयबद्ध रूप से जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

## पीएम मातृ वंदना योजना की 35 हजार से अधिक महिलाओं को 3 माह में लाभ पहुंचाया

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** संभागायुक्त डॉ.सुदाम खाड़े द्वारा आज स्वास्थ्य, आयुष, एमजीएम, नगरीय निकाय, पीएचई और महिला बाल विकास विभाग के त्रैमासिक कार्यों की समीक्षा की गई। संभागायुक्त डॉ.खाड़े ने महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान जमीनी स्तर पर जो कार्य किए जा रहे है। उनकी सतत् निगरानी कर रिपोर्टिंग करने की हिदायत दी है। महिला बाल विकास द्वारा इस संबंध में बताया गया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में अप्रैल से जून तक वित्तीय लक्ष्य के अंतर्गत 35121 महिलाओं को योजना का लाभ दिया गया हैं। वित्तीय वर्ष में प्रदान किए गए लक्ष्य के विरुद्ध लगातार प्रगति की जा रही है। संभागायुक्त डॉ.खाड़े ने एमजीएम मेडिकल कॉलेज के माध्यम से अस्पतालों में दी जा रही व्यवस्थाओं और सुविधाओं के लिए व्यवस्थित एप्रोच अपनाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि बेसिक आवश्यकताओं को लेकर सीएम हेल्पलाइन प्राप्त शिकायतों को व्यवस्थित रूप से चिह्नित कर सुविधाएं उपलब्ध कराए। इसमें सम्बंधित विभाग, डॉक्टर्स या अन्य व्यवस्थाओं को वर्गीकृत किया जायें। बैठक में संयुक्त आयुक्त (विकास) श्रीमती शिवानी वर्मा, स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय संचालक डॉ. शॉजी जोसेफ, संयुक्त संचालक डॉ. पूर्णिमा गडरिया, डॉ. स्मिता तिवारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के संयुक्त संचालक श्री अशोक गोदिया, नगरीय विकास विभाग के अधिकारी श्री एस.के. सिन्हा एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र और आंगनवाड़ियों में पेयजल की व्यवस्थाओं का प्रमाणीकरण किया जाएगा- संभागायुक्त डॉ. खाड़े लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए महिला बाल विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग को उनकी संस्थाओं में जल जीवन मिशन के अंतर्गत उपलब्ध कराये गए पेयजल का प्रमाणीकरण करने के निर्देश दिए गए है। जल जीवन मिशन अंतर्गत संभाग में 3913 योजनाएं पूर्ण की गई है, जबकि 248 योजनाएं प्रगतिरत है। विभाग द्वारा अब तक 3680 योजनाएं ग्राम पंचायतों को हैंडओव्हर की जा चूकी है। विभाग द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि 27 पंचायतों द्वारा योजनाएं संचालित नहीं की जा रही है, इस संबंध में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने संबंधित जिला पंचायत सीईओ को पत्र के माध्यम से वस्तुस्थिति मांगी गई है।

# जीएसीसी में महिला सशक्तिकरण पर विशेष व्याख्यान, 'नई रोशनी' योजना की दी गई जानकारी

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (जीएसीसी) में विकसित भारत 2047 प्लान 2026-27 के अंतर्गत 'नई रोशनी' योजना पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की 9 एमपी बटालियन की एनसीसी इकाई और महिला सशक्तिकरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण से जुड़े 'अस्मिता', 'अद्वैता' और 'अदिति' अभियानों की भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर ने की। मुख्य वक्ता के रूप में महिला सशक्तिकरण समिति की प्रभारी एवं राजनीति विज्ञान विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. संध्या गोयल ने एनसीसी कैडेट्स और विद्यार्थियों को 'नई रोशनी' योजना के उद्देश्य और महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित यह योजना अल्पसंख्यक महिलाओं के नेतृत्व विकास और सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई है। योजना के माध्यम से महिलाओं को कौशल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, कानूनी अधिकारों, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता, स्वच्छ भारत अभियान तथा जीवन कौशल जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर ने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महिलाओं की समान भागीदारी और सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लिंग समानता और महिला नेतृत्व को बढ़ावा देकर ही समाज और देश का समग्र विकास संभव है। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अधिकारी डॉ. भगवत राय ने किया। इस अवसर पर 9 एमपी बटालियन के एनसीसी कैडेट्स सहित महाविद्यालय के बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# इंदौर भाजपा की मासिक बैठक संपन्न, बूथ संगठन मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर हुआ मंथन

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय जनता पार्टी इंदौर जिला की मासिक बैठक सोमवार को जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों और विभिन्न अभियानों की समीक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत बूथ संगठन है। उन्होंने सभी मंडलों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को प्रत्येक बूथ पर सामूहिक रूप से सुनने और अधिक से अधिक नागरिकों को इससे जोड़ने का आह्वान किया।

बैठक में विधायक मधु वर्मा, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, देवराज सिंह परिहार, पूर्व जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा और धार जिले के प्रभारी राधेश्याम यादव ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया।

बैठक का संचालन कार्यालय मंत्री मुकेश जरिया ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री अन्तर दयाल एवं पूंजालाला नीनामा, जिला उपाध्यक्ष भारत सिंह चिमली, कंचन सिंह चौहान, सुरेश सिंह धनखेड़ी, जिला मंत्री अश्विन पटेल, मीडिया प्रभारी जेपी नागर, राजेश शर्मा सहित जिले और विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# औद्योगिक क्षेत्र में कचरा निपटान का स्थान निर्धारण करें, निरीक्षण करेगा दल, नपा को स्पॉट फाइन के आदेश

## सोमवार को 271 शिक्षकों की अटेंडेंस पोर्टल पर नहीं पाई, अनुपस्थितो का वेतन काटा जाए

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शासन के निर्देश अनुसार जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्य नियोजित ढंग से किया जाए। सभी जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगर पालिका अधिकारी सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र में धरातल स्तर पर वास्तविक कार्य किया जाएगा साथ ही कार्य योजना बनाकर जिला स्तर पर प्रेषित भी करें। उक्त निर्देश कलेक्टर अदिति गर्ग ने समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में बताया गया कि कलेक्टर स्वयं निकाय में पहुंच कर निरीक्षण करेंगे। कलेक्टर ने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत जिला स्तर पर विशेष सेल गठित किया गया है। सभी निकाय भी उक्त अनुसार सेल गठित करें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में शासन द्वारा जारी निर्देशों का अधिकारी भली-भांति अध्ययन कर लेवे कलेक्टर द्वारा जिले के औद्योगिक क्षेत्र में भी कचरा निपटान का स्थान निर्धारण करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही उच्च स्तरीय दल जिले में आएगा जिसके द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में पहुंचकर कचरा निपटान की व्यवस्था का निरीक्षण किया जाएगा। कलेक्टर द्वारा यहां भी निर्देशित किया गया कि इधर-उधर कचरा फैलाने पर नगरपालिकाओं द्वारा स्पॉट फाइन वसूलने में कोताही नहीं बरती जाए बाजार क्षेत्र में स्पॉट फाइन पर विशेष फोकस किया जाए। कलेक्टर ने कचरा पृथक्करण वातावरण निर्माण नियमित रिपोर्टिंग पर भी दिशा निर्देशित किया। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन एसडीएम तथा जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों में अधिकारियों कर्मचारियों की पोर्टल एवं ऐप पर ई अटेंडेंस की समीक्षा की गई। इस दौरान शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल पर सोमवार को 271 शिक्षकों की अटेंडेंस नहीं पाई गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अवकाश तथा अन्य कारणों को छोड़कर शेष अनुपस्थित शिक्षकों का वेतन काटा जाए सार्थक ऐप पर भी उपस्थिति की समीक्षा की गई। पशु चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों में ई अटेंडेंस की जानकारी कलेक्टर द्वारा ली गई। स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल के स्वैपशॉट भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर द्वारा जिला शिक्षा केंद्र के अंतर्गत स्कूलों में नामांकन प्रक्रिया की समीक्षा की गई जहां नामांकन शत प्रतिशत से कम है वहां कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। इस संबंध में बुधवार को बैठक में विस्तृत समीक्षा की जाएगी कलेक्टर द्वारा नामांकन के अंतर्गत आधार अपडेशन, शिविर आयोजन ड्रॉप आउट संख्या के संबंध में भी निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सीएमएचओ को डॉक्टर की ओपीडी चेक करने ई अटेंडेंस चेक करने के संबंध में निर्देशित किया। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री कृषि उद्यानिकी तथा राजस्व अधिकारियों का संयुक्त मैदानी भ्रमण करने नजूल भूमि की लीज का नवीनीकरण चालू वर्ष के मौसम में बुवाई आदि के संबंध में भी कलेक्टर द्वारा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

## दरगाह, कब्रिस्तान और कोर्ट परिसर के पास डॉग शेल्टर बनाने के फैसले पर पुनर्विचार की मांग

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर पालिका परिषद द्वारा हजरत तोडे वाले बाबा दरगाह, प्राचीन कब्रिस्तान एव तोपवाले बालाजी एंव न्यायालय परिसर के समीप प्रस्तावित डॉग शेल्टर बनाए जाने के निर्णय का विरोध तेज हो गया है। नेता प्रतिपक्ष सहित कई पार्षदों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए डॉग शेल्टर को अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि प्रस्तावित स्थान धार्मिक, सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन दरगाह और कब्रिस्तान में दर्शन एवं इबादत के लिए पहुंचते हैं। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में डॉग शेल्टर स्थापित करने से लोगों की धार्मिक भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि जिस स्थान का चयन किया गया है,वहां पूर्व में प्राथमिक विद्यालय संचालित होता था और यह क्षेत्र लंबे समय तक शिक्षा एवं जनहित से जुड़े कार्यों का केंद्र रहा है। वही इस जगह पर चुनाव के वक्त चार मतदान केंद्र भी यहां होते है। इसलिए इस भूमि का उपयोग सामाजिक और सार्वजनिक हित के कार्यों के लिए किया जाना अधिक उचित होगा। पार्षदों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि डॉग शेल्टर के लिए शहर में किसी अन्य उपयुक्त स्थान का चयन किया जाए। साथ ही नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और संबंधित पक्षों से चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लेने की बात भी कही गई है। ज्ञापन देते वक्त नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी के साथ वार्ड क्रमांक 14 की पार्षद प्रतिनिधी नियाज अहमद, वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद शाहिद मेव, वार्ड क्रमांक 24 की पार्षद प्रतिनिधी शहजाद पटेल, वार्ड क्रमांक 27 की पार्षद प्रतिनिधी साबिर हुसैन, वार्ड क्रमांक 28 की पार्षद प्रतिनिधी आरिफ अन्सारी, वार्ड क्रमांक 30 की पार्षद प्रतिनिधी यूसुफ गोरी व वार्ड क्रमांक 34 के पार्षद शराफ़त शेख आदि सभी पार्षद इस अवसर पर उपस्थित थे। वही सभी पार्षदों के हस्ताक्षर भी इस ज्ञापन पर दर्ज हैं । सभी पार्षदगण ने नगर पालिका प्रशासन से अपेक्षा की गई है कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए प्रस्तावित स्थल के चयन पर पुनर्विचार किया जाए।

## श्री पशुपतिनाथजी महादेव मंदिर घाट पर श्रद्धालुओं हेतु सुविधाओं की मांग

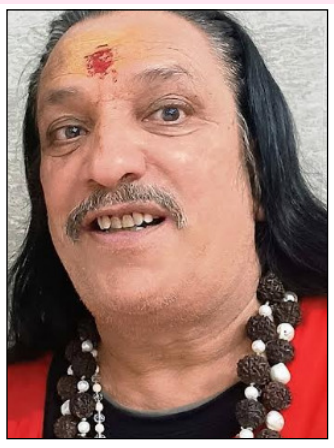

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** श्री पशुपतिनाथजी महादेव मंदिर के शिवना तट स्थित घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कराने की मांग उठाई गई है। धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस घाट पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान, पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कर्मकांड के लिए पहुंचते हैं।

पं.श्रीकृष्णवल्लभ शास्त्री (मालवा स्वामी) संस्थापक भागवत विचार संस्थान मंदसौर ने सांसद, विधायक, जिला प्रशासन एवं कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री पशुपतिनाथजी मंदिर प्रबंध समिति मंदसौर से श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए मांग की गई है कि घाट पर स्नान एवं पेयजल के लिए नल की व्यवस्था कराई जाए। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के बैठने वाले स्थानों पर धूप और बारिश से बचाव के लिए छायादार शेड का निर्माण कराया जाए। उन्होने कहा कि घाट क्षेत्र में स्वच्छता एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए सड़क के दुसरी और सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था करने तथा महिलाओं के लिए वस्त्र बदलने हेतु सुरक्षित चेंजिंग रूम शेड का निर्माण कराने की भी मांग की गई है। पं.शास्त्री ने श्रद्धालुओं का कहना है कि श्री पशुपतिनाथजी महादेव मंदिर क्षेत्र की धार्मिक महत्ता को देखते हुए इन मूलभूत सुविधाओं का शीघ्र विकास किया जाना आवश्यक है, जिससे देश-प्रदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिल सके।

## भावगढ़ पुलिस द्वारा 25 किलो पीसा हुआ डोडाचूरा सहित दो युवाओं को पकड़ा

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भावगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक वरसिंह कटारा एवं उनकी टीम ने 25 किलो डोडाचूरा बरामद किया है। मौके से दो युवाओं की गिरफ्तारी बताई गई है।

घटना के अनुसार दिनांक 12 जुलाई 2026 को भावगढ दलोदा रोड पर वाहन चैकिग में एक बजाज कम्पनी की बाइक एमपी 44 एमू 5749 आते हुए दिखी, उक्त दोनो व्यक्तियों ने अपनी मोटरसायकल पर एक दूसरे के बीच मे एक सफेद रंग का प्लास्टिक का कट्टा रख रखा था, जो चालक वाहन चैकिग को देख कर अपनी बाइक को लेकर भगाने लगा। जिसे हमराह फोर्स की मदद से रोका व चालक से नाम पता पूछते उसने अपना नाम लखन पिता गोपाल सुर्यवंशी उम्र 22 वर्ष निवासी मजेसरी थाना भावगढ जिला मन्दसौर का होना बताया तथा पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम जीवन पिता पन्नालाल सुर्यवंशी उम्र 28 वर्ष निवासी मजेसरी थाना भावगढ जिला मन्दसौर का होना बताया। दोनो को गिरफ्तार किया जिसके कब्जे से 25 किलो पीसा हुआ डोडाचूरा जप्त किया गया। पूछताछ में बताया कि प्रहलाद पिता गोपाल सुर्यवंशी निवासी मजेसरी द्वारा देना बताया, जिसे भी प्रकरण में आरोपी बनाया गया है तथा उसकी तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में निरीक्षक वरसिह कटारा, उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह सिसौदिया, प्रआर ओमप्रकाश चौहान, राजपालसिंह, आरक्षक सुरेन्द्र सिंह, शुभम सिंह बुन्देला, करणसिंह का योगदान रहा।

## तेलिया तालाब के केस में नया मोड़, सुप्रीम कोर्ट ने नई अपील में जारी किये नोटिस

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** एनजीटी न्यायालय (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) भोपाल द्वारा तेलिया तालाब के सम्बंध में पारित आदेश दिनांक 19 अप्रैल 2024 के विरूद्ध मेसर्स चयन कंस्ट्रक्शन मन्दसौर के संचालक कोमल पिता सूरजमल बाफना की और से सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के समक्ष सिविल अपील दायर की गई है। जिसकी सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जाकर दिनांक 26 मई 2026 को तेलिया तालाब के सभी संबंधित पक्षकारों जिसमें शासन, शासकीय विभाग व निजी पक्ष भी शामिल है सभी को नोटिस जारी कर न्यायालय द्वारा जवाब तलब किया गया है तथा अपील को सिविल अपील क्रमांक 10285/2024 के साथ टैग कर दिया गया है। मन्दसौर शहर में विगत कुछ दिनों से अपील के सूचनाङ्कपत्र पक्षकारों को प्राप्त हो रहे हैं, जो शहर मे चर्चा का विषय बना हुआ है। अपील में तेलिया तालाब के वास्तविक डूब क्षेत्र के संबंध में तथा जल संसाधन विभाग द्वारा दिनांक 05 मई 2011 को नगर पालिका परिषद मंदसौर को सौंपे गये तालाब के वास्तविक जल क्षेत्र एवं सटीक सर्वे नंबरों के संबंध में गंभीर प्रश्न उठा कर अपीलार्थी ने तेलिया तालाब क्षेत्र के संबंध में गठित कमेटी की रिपोर्ट दिनांक 26 मई 2023 तथा लापरवाही पूर्वक तालाब क्षेत्र के सीमांकन एवं तालाब क्षेत्र में हो रही छेड़छाड़ का मुद्दा न्यायालय के समक्ष उठाया है। अपील में शासन को जवाब प्रस्तुत कर अपना पक्ष रखना है। फिलहाल सम्पूर्ण प्रकरण सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है, परन्तु मन्दसौर की जनता के समक्ष सबसे यक्ष प्रश्न यही है कि तालाब का वास्तविक क्षेत्र कितना है जिस पर गहराई से विचार हो कर न्यायालय से प्रकरण से अंतिम निराकरण के पश्चात तेलिया तालाब मन्दसौर का वास्तविक जलीय क्षेत्र एवं गहराई निर्धारित हो सकें।

## गरोठ पुलिस द्वारा 27 किलो डोडाचूरा जब्त, एक आरोपी पकड़ाया

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** गरोठ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक बलवीर सिंह यादव एवं सउनि धन्नालाल योगी को मुखबिरी होने पर उनकी टीम ने 26.980 किलो डोडाचूरा बरामद किया है। मौके से एक पंजाब के लुधियाना निवासी युवक की गिरफ्तारी बताई गई है।

घटना के अनुसार दिनांक 12 जुलाई 2026 को मुखबीर सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति जिसने पीले व काले रंग की शर्ट तथा मटमेले रंग का पेंट पहने है, जिसके पास दो बैग है। जिसमें से एक बैग का रंग नीला तथा दुसरे बैग का रंग ग्रे है। जिनमें अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरा है, जिसे लेकर पिपल्या मोहम्मद की तरफ रेल्वे की बाउन्ड्री के बाहर आड में रेल्वे स्टेशन गरोठ के पास खडा है। मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुए रेल्वे की बाउन्ड्री के बाहर आड मे रेल्वे स्टेशन गरोठ के पास से आरोपी रिन्कु पिता तिलक राज जाति जोगी 40 साल निवासी नीयर कोल्ट स्टोर मोहल्ला रामपुरा शास्त्रीनगर जगराओ लुधियाना पंजाब के कब्जे से 26.980 किलोग्राम अवैध मादक डोडाचूरा किमती 54000 रूपये को जप्त किया जाकर गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में विवेचना जारी है।

## दलौदा पुलिस ने स्मैक व डोडाचूरा जप्त किया, आरोपी पति-पत्नी पकड़ाए

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** दलौदा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप डाँगी को मुखबिरी होने पर उनकी टीम ने 30 ग्राम स्मैक पाउडर व 03 किलो 100 ग्राम डोडाचूरा पकड़कर आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है।

घटना अनुसार दिनांक 12 जुलाई को थाना दलौदा पर पदस्थ सउनि कैलाश बघेल व्दारा प्राप्त मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए दलौदा धुंधडका रोड श्मशान घाट के पास से एक नीले रंग की एक्टिवा स्कुटी पर सवार एक व्यक्ति जिसके पीछे एक महिला अपने हाथ में झोला लिये बैठी दिखे, जिनको घेराबंदी कर रोका व उन्होने अपना नाम शिवा उर्फ शिवनारायण परिहार पिता बसंतीलाल जाति बलाई उम्र 34 वर्ष निवासी अंबिका नगर दलौदा एवं नीलु पति शिवा उर्फ शिवनारायण बलाई उम्र 31 वर्ष निवासी अंबिका नगर दलौदा का होना बताया। उक्त महिला पुरुष को मुखबिर सुचना से अवगत करवाकर तलाशी लेते आरोपीगण के कब्जे से 30 ग्राम स्मैक पाउडर व 03.100 ग्राम डोडाचूरा कीमती करीब 306000 रुपये के व घटना में प्रयुक्त एक्टिवा स्कुटी स्कुटी व दो मोबाईल जप्त किये गये। गिरफ्तारशुदा आरोपीगण के विरुद्ध थाना जावरा शहर जिला रतलाम में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरण पंजीबद्ध होना तथा आरोपी शिवा के विरुद्ध थाना भावगढ में अवैध शराब तस्करी व मारपीट के अपराध पंजीबद्ध होना पाया गया है। इस कार्रवाई में उनि रविन्द्र प्रताप डाँगी थाना प्रभारी दलौदा, सउनि कैलाश बघेल, प्रआर अजीतसिंह, जितेन्द्र त्रिवेदी, आरक्षक युवराजसिंह, सुनील, म.आर. रीना की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## दो दिन में सीबीएन का बड़ा एक्शनः 923 किलो डोडाचूरा और 110 ग्राम मेफेड्रोन जब्त, पांच तस्कर गिरफ्तार

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की मध्य प्रदेश इकाई ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार तीन बड़ी कार्रवाई करते हुए दो दिनों में 923.550 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा (पॉपी स्ट्रॉ) और 110 ग्राम मेफेड्रोन जब्त किया है। इन मामलों में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके वाहनों और कवर कार्गो को भी एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किया गया है। कार्रवाई 11 और 12 जुलाई को प्राप्त खुफिया सूचनाओं के आधार पर की गई।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बोलेरो से मिला 782 किलो डोडाचूरा- सीबीएन को मिली विशेष सूचना के आधार पर नामली टोल प्लाजा के समीप दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर निगरानी रखी गई। इस दौरान दिल्ली की ओर जा रहे एक संदिग्ध महिंद्रा बोलेरो पिकअप वाहन को रोककर जांच की गई। सुरक्षा कारणों से वाहन को सीबीएन कार्यालय जावरा लाया गया, जहां तलाशी में तिरपाल और खाली गत्ते के डिब्बों की बोरियों के नीचे छिपाकर रखी गई 38 प्लास्टिक बोरियों से 782.580 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। वाहन और कवर कार्गो सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

कंटेनर ट्रक में कपड़ों के नीचे छिपा रखा था डोडाचूरा - दूसरी कार्रवाई 12 जुलाई को चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा मार्ग स्थित गंगरार टोल प्लाजा पर की गई। यहां एक राजस्थान पंजीकृत कंटेनर ट्रक को रोककर जांच की गई। चालक की स्वीकारोक्ति के बाद वाहन को सीबीएन कार्यालय नीमच लाया गया। तलाशी में कपड़ों से भरी 285 बोरियों के नीचे तथा चालक केबिन में बनाए गए विशेष गुप्त कक्ष से कुल 140.970 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया। ट्रक, कवर कार्गो और मादक पदार्थ जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया।

मंदसौर में बाइक सवारों से मिला मेफेड्रोन- तीसरी कार्रवाई मंदसौर जिले में की गई। चिरमोलिया-बिलान्त्री मार्ग स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर के पास एक हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई। बाइक की फ्यूल टैंक पर लगे बैग की जेब से 110 ग्राम मेफेड्रोन बरामद हुआ। मादक पदार्थ और मोटरसाइकिल जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

तस्करी नेटवर्क की जांच जारी- सीबीएन अधिकारियों के अनुसार तीनों मामलों में मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े आगे और पीछे के संपर्कों की जांच की जा रही है। एजेंसी पूरे नेटवर्क का खुलासा करने और तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों तक पहुंचने के लिए विस्तृत पड़ताल कर रही है।

नशा तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान जारी- सीबीएन ने कहा है कि मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध उसकी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। एजेंसी नशा मुक्त भारत अभियान के तहत संगठित तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कठोर और प्रभावी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

## जिला स्वास्थ्य समिति की कार्यकारी बैठक 16 जुलाई को

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की कार्यकारी बैठक का आयोजन 16 जुलाई 2026 को सायं 3ः30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, नीमच में किया जाएगा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी। संबंधित विभागों के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समय पर बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

## रिटायर्ड नपा स्वास्थ्य अधिकारी श्री विश्वास चंद्र शर्मा का हृदय घात से निधन

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जावद के समीप ग्राम अठाना स्थानीय नगर वार्ड 10 में निवासी अविभाजित मंदसौर नीमच जिले में नगर पालिका में स्वास्थ्य अधिकारी रहे 66 वर्षीय श्री विश्वास चंद्र शर्मा का सोमवार दोपहर बाद अपने निजी कृषि फार्म पर लौकी सब्जी तोड़ते वक्त अचानक साइलेंट अटैक हुआ तुरंत जावद शासकीय चिकित्सालय ले जाए गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित किया गया । अशोक शर्मा अरविंद शर्मा रणजीत शर्मा के बड़े भाई एवं विकास शर्मा के पिता श्री विश्वास चंद्र शर्मा आज मंगलवार को सुबह 10ः बजे निजी निवास बद्री धाम जैन मोहल्ला से शव यात्रा निकाली जाएगी अज्ञात रहे विश्वास चंद्र शर्मा 31 मार्च 22 को नीमच नगर पालिका से स्वास्थ्य अधिकारी पद रिटायर्ड हुए थे ।

## सिंगोली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, नाकाबंदी देख पिकअप मोड़कर भाग रहा था तस्कर

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी नशाविरोधी अभियान के तहत नीमच पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सिंगोली थाना पुलिस ने तिलस्वां घाट के पास नाकाबंदी के दौरान एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस ने मौके से 450.800 किलोग्राम डोडाचूरा के साथ राजस्थान के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ और वाहन की कुल कीमत 72.64 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस को देख गाड़ी पलटाने लगा था चालक, घेराबंदी कर दबोचा सिंगोली थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम सिंगोली-कांस्या आम रोड पर तिलस्वां घाट के नीचे पहले मोड़ पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी।

## रेड लाइन के बाहर रखा सामान हटाया, नियम तोड़ने वालों पर चालान; जर्जर भवन को 3 दिन का अल्टीमेटम

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका ने सोमवार को फव्वारा चौक से फ्रूट मंडी तक विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़कों और फुटपाथों पर दुकानों के बाहर रखा सामान, अवैध शेड तथा अन्य अतिक्रमण हटवाए गए। वहीं नियमों की अनदेखी करने वाले व्यापारियों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी की गई।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया के नेतृत्व में नगर पालिका अमले ने क्षेत्र का निरीक्षण कर दुकानदारों को पहले समझाइश दी और स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए कहा। कई व्यापारियों ने मौके पर ही अपना सामान हटाकर सहयोग किया, जबकि बार-बार चेतावनी के बावजूद नियमों का पालन नहीं करने वालों पर जुर्माना लगाया गया।

सीएमओ दुर्गा बामनिया ने बताया कि सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में लगातार यह आवश्यकता सामने आ रही थी कि शहर की प्रमुख सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए। इसी के तहत नगर पालिका द्वारा चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित लाल लाइन के बाहर किसी भी प्रकार का सामान रखना या सार्वजनिक मार्ग पर अतिक्रमण करना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालान बनाने, सामान जब्त करने और आवश्यकता पड़ने पर नगर पालिका की दुकानों के पट्टे निरस्त करने जैसी सख्त कार्रवाई भी की जा सकती है। इसके साथ ही दुकानों के बाहर किए गए स्थायी और अवैध निर्माणों को भी चिन्हित कर हटाने की कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

अभियान के दौरान फव्वारा चौक क्षेत्र में एक जर्जर भवन भी अधिकारियों की नजर में आया। भवन की स्थिति को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए संभावित खतरा मानते हुए भवन स्वामी को तीन दिन के भीतर आवश्यक मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए गए हैं। नगर पालिका ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समयावधि में सुधार नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।नगर पालिका की इस कार्रवाई से दिनभर क्षेत्र में हलचल बनी रही। वहीं आम नागरिकों ने शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने की दिशा में उठाए गए इस कदम का स्वागत किया। लोगों ने नगर पालिका से ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाने की मांग भी की, ताकि शहर में व्यवस्था और सुरक्षा बनी रहे।

## निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयसीमा सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, सेतु निगम, पीएमजीएसवाई, एमपीआरडीसी तथा डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत एवं निर्माणाधीन कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री चंद्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा सभी अधिकारी नियमित रूप से कार्यों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।

भादवा माता मंदिर के समीप निर्माणाधीन कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप ही संपादित किए जाएं, जिससे आमजन को दीर्घकालीन एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। बैठक में कई कार्यों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला परियोजना समन्वयक एवं संबंधित सहायक अभियंता को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

# सम्पादकीय

## पुणे की चीख – हम कचरा नहीं संभाल पाए तो शहर कैसे संभालेंगे?

पुणे के मोशी (पिंपरी-चिंचवड़) में 8 जुलाई 2026 को हुआ हादसा केवल एक इमारत का ढहना नहीं, बल्कि हमारे शहरी विकास मॉडल का ध्वंस था। पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका के वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र के पास वर्षों से जमा लेगेसी वेस्ट का पहाड़ 600 मिलीमीटर से अधिक वर्षा के बाद खिसका और तीन मंजिला प्रशासनिक भवन को निगल गया। लगभग 23 लोग मलबे में दबे, जिनमें 8 की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति अभी लापता है, कई घायल हुए और कई दिनों तक राहत अभियान चला। इसे प्राकृतिक आपदा कहना आसान है, लेकिन सच यह है कि बारिश ने केवल अंतिम धक्का दिया; दुर्घटना की नींव वर्षों की प्रशासनिक लापरवाही ने रखी थी। यह केवल पुणे की कहानी नहीं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु सहित लगभग हर बड़ा शहर ऐसे कचरा-पर्वतों के साये में खड़ा है, जो विकास के नहीं, आने वाली त्रासदियों के मौन स्मारक हैं।

सबसे बड़ी भूल हमारी सोच में है। हमने कचरे को वैज्ञानिक चुनौती नहीं, आंखों से ओझल कर देने की वस्तु मान लिया। यही मानसिकता लैंडफिल को धीरे-धीरे कचरे के पहाड़ों में बदलती रही। लेगेसी वेस्ट मृत ढेर नहीं, बल्कि भीतर ही भीतर सक्रिय रासायनिक और जैविक प्रक्रियाओं का भंडार है। अवायवीय अपघटन (ऐनएरोबिक डीकम्पोज़िशन) से बनने वाली मीथेन, जहरीला लीचेट और वर्षा का पानी इसकी संरचना को लगातार कमजोर करते हैं। ऊपर से मिट्टी डाल देना, ढलान बना देना या हरियाली उगा देना समाधान नहीं, केवल आवरण है। पुणे में अधिकारियों ने भवन और कचरे के पहाड़ के बीच 30 मीटर की सुरक्षित दूरी का दावा किया, जबकि उपग्रह चित्रों में यह केवल 16-17 मीटर दिखी। यह फासला सिर्फ माप का नहीं, सरकारी दावों और जमीनी सच्चाई के बीच की दूरी का भी प्रमाण है।

इस त्रासदी की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जहां हादसा हुआ, वहीं वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र भी संचालित था। जिस परिसर का उद्देश्य कचरे को ऊर्जा में बदलना था, उसी के पास वर्षों से मौत का पहाड़ खड़ा रहा। वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र संचालित करने वाली निजी कंपनी के कर्मचारी, जो कचरे को संसाधन बनाने में लगे थे, अंततः उसी कचरे की भेंट चढ़ गए। इससे बड़ा विरोधाभास क्या होगा? हमारी शहरी नियोजन व्यवस्था वर्षों से एक ही भूल दोहरा रही है–पहले शहर से दूर लैंडफिल बनाए जाते हैं, फिर शहर फैलकर उन्हें अपने बीच ले आता है। आसपास उद्योग, कार्यालय और आवास बस जाते हैं, लेकिन सुरक्षा इंतज़ाम नहीं बदलते। मजबूत रिटेनिंग वॉल, प्रभावी जल निकासी और रियल-टाइम निगरानी के बिना ऐसे कचरा-पर्वत कभी भी मौत का मंजर बन सकते हैं। पुणे ने केवल वही साबित किया है, जिसकी चेतावनी विशेषज्ञ वर्षों से देते रहे हैं।

भारत के शहरों की असली चुनौती कचरे की बढ़ती मात्रा नहीं, उसका अव्यवस्थित प्रबंधन है। रोज़ लाखों टन ठोस अपशिष्ट निकलता है, लेकिन स्रोत स्तर पर पृथक्करण आज भी अपवाद है। घरों, बाजारों और संस्थानों का जैविक, प्लास्टिक, धातु सहित पूरा कचरा एक साथ लैंडफिल पहुंचता है, जिससे पुनर्चक्रण की प्रक्रिया लगभग निष्प्रभावी हो जाती है। वर्षों तक सड़ता यही मिश्रित कचरा मीथेन गैस, जहरीला लीचेट, दुर्गंध और विषैला धुआं पैदा करता है। यह केवल पर्यावरण नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी गंभीर संकट है। जलवायु परिवर्तन से बढ़ती अत्यधिक वर्षा ने इन अस्थिर कचरा-पर्वतों को और घातक बना दिया है। यदि व्यवस्था नहीं बदली, तो पुणे जैसी त्रासदियां अलग-अलग शहरों में बार-बार दोहराई जाएंगी।

इस संकट का समाधान सतही सुधारों में नहीं, बुनियादी बदलाव में है। सबसे पहले स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण सख्ती से लागू हो। केवल जागरूकता नहीं, प्रोत्साहन और दंड–दोनों साथ चलें। हर शहर में शून्य-कचरा वार्ड विकसित हों, जहां जैविक कचरे से स्थानीय स्तर पर कंपोस्ट बने और पुनर्चक्रण योग्य सामग्री सीधे उद्योगों तक पहुंचे। वर्षों से जमा लेगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक बायोरिमेडिएशन और सुरक्षित कैपिंग राष्ट्रीय प्राथमिकता बने। साथ ही भूमि उपयोग नीति बदले–लैंडफिल के चारों ओर अनिवार्य बफर जोन हों, आवासीय और औद्योगिक निर्माण सुरक्षित दूरी पर रहे तथा उपग्रह, ड्रोन और सेंसर आधारित निगरानी से ढलानों की स्थिरता, मीथेन उत्सर्जन और वर्षा के प्रभाव पर लगातार नजर रखी जाए। तकनीक का उद्देश्य हादसे की जांच नहीं, उसकी पूर्व चेतावनी होना चाहिए।

इस संकट का दूसरा नाम जवाबदेही है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी, दूरी को लेकर भ्रामक दावे और संभावित खतरों की उपेक्षा के बीच कोई नीति सफल नहीं हो सकती। पुणे ने साबित कर दिया कि कागजी नियम और जमीनी हकीकत में गहरी खाई है।

## सहजयोग - अंतर्मन की आनंदमयी यात्रा



कस्तूरीमृग की कथा हम सभी ने सुनी है। उसकी नाभि में स्थित कस्तूरी की दिव्य सुगंध पूरे वन में फैलती है। वह स्वयं भी उस मनमोहक सुगंध का अनुभव करता है, किंतु यह नहीं जान पाता कि उसका स्रोत उसी के भीतर है। उस सुगंध की खोज में वह जंगल-जंगल भटकता है, दौड़ता है, थक जाता है, परंतु अंततः उसे वह बाहर कहीं नहीं मिलती। मनुष्य की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। हम जीवन भर सुख, शांति, आनंद और संतोष को धन, पद, प्रतिष्ठा, परिवार, व्यवसाय और भौतिक उपलब्धियों में खोजते रहते हैं। इन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं, फिर भी मन की गहराइयों में वह पूर्ण तृप्ति और स्थायी आनंद प्राप्त नहीं हो पाता जिसकी हमें तलाश रहती है।

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी बताती हैं कि जिस आनंद की खोज में मनुष्य संसार भर में भटकता है, उसका वास्तविक स्रोत उसके अपने ही भीतर, हृदय रूपी गुफा में स्थित है। सहजयोग के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने पर उसी दिव्य चेतना की यात्रा प्रारम्भ होती है और मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप का अनुभव करने लगता है।

श्रीमाताजी कहती हैं कि इस आंतरिक कस्तूरी की सुगंध का अनुभव तभी संभव है जब श्री गणेश जी की कृपा प्राप्त हो। श्री गणेश, जो पवित्रता, निष्कपटता और पृथ्वी तत्व के अधिष्ठाता हैं, साधक के भीतर निर्मलता और संतुलन स्थापित करते हैं। इस अनुभव का सबसे सरल और सहज माध्यम है–ध्यान।

ध्यान के विषय में श्रीमाताजी कहती हैं–÷सबसे पहले अपने आप को प्रेम से भर लो। यह जान लो कि मैं आपकी माँ हूँ और माँ होने का अर्थ है संपूर्ण संरक्षण। कोई भी बात गड़बड़ नहीं होने वाली। मेरी ओर अपने हाथ बढ़ाइए, धीरे-धीरे आँखें बंद कीजिए और अपने विचारों को देखिए। जैसे ही आप निर्विचार हो जाएँगे, वैसे ही आप अपने भीतर प्रवेश करने लगेंगे। आपको कुछ करने की आवश्यकता नहीं है।÷

वे आगे कहती हैं कि ध्यान प्रारम्भ करने से पहले हृदय से प्रार्थना करें–÷हे प्रभु! जिन्होंने मुझे कष्ट पहुँचाया, मैं उन सबको क्षमा करता हूँ। और मुझे भी क्षमा करें, क्योंकि मैंने भी जाने-अनजाने में अनेक लोगों को दुःख पहुँचाया है। क्षमा का यह भाव हृदय को निर्मल बनाता है और प्रार्थना को सार्थक करता है।

आत्मसाक्षात्कार के पश्चात साधक का मिलन सर्वव्यापी चैतन्य शक्ति से हो जाता है। तब उसकी प्रार्थना केवल शब्द नहीं रहती, बल्कि अनुभव बन जाती है। सहजयोग में साधक धीरे-धीरे अपने भीतर स्वतः प्रसन्नता, संतोष, समाधान और आंतरिक सुरक्षा का अनुभव करने लगता है। यदि जीवन में कभी असंतुलन उत्पन्न भी हो, तो आत्मपरीक्षण के माध्यम से वह अपनी त्रुटियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का प्रयास करता है। ध्यान से प्राप्त दिव्य आनंद उसे केवल स्वयं तक सीमित नहीं रखता, बल्कि दूसरों के जीवन में भी प्रकाश और शांति बाँटने की प्रेरणा देता है। इस प्रकार सहजयोग व्यक्ति के व्यक्तित्व, चरित्र और आध्यात्मिक क्षमता के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। सहजयोग के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार का अनुभव करें और अपने भीतर स्थित उस दिव्य आनंद, शांति और प्रेम के स्रोत को पहचानें, जो सदैव से आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।

# युद्धविराम का मिथक और वैश्विक शांति का संकट

अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच समय-समय पर घोषित होने वाले युद्धविराम और शांति प्रयासों ने विश्व समुदाय के सामने अनेक गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जब जब युद्धविराम की घोषणा हुई, कुछ ही समय बाद नए हमले, नई सैन्य कार्रवाइयाँ और नए आरोप सामने आ गए हैं। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि शांति केवल कूटनीतिक घोषणा बनकर रह गई है, जबकि ज़मीनी स्तर पर संघर्ष समाप्त होने के बजाय और जटिल होता जा रहा है।। आज पूरा विश्व महँगाई, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का सामना कर रहा है। युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता उसका प्रभाव तेल की कीमतों, खाद्यान्न, परिवहन, निवेश, रोजगार और आम नागरिक के जीवन तक पहुँचता है। यही कारण है कि मध्य-पूर्व का प्रत्येक तनाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।

अमेरिका लंबे समय से इज़रायल का प्रमुख सहयोगी रहा है। उसके समर्थकों का तर्क है कि वह अपने सहयोगी की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है, जबकि आलोचकों का मानना है कि अमेरिका के दोहरे मानदंड उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। दूसरी ओर इज़रायल का कहना है कि उसकी सैन्य कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है, जबकि उसके विरोधियों का आरोप है कि अत्यधिक सैन्य बल से क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ती है।

ईरान स्वयं को क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता रहा है। अनेक पश्चिमी देश और कुछ क्षेत्रीय सरकारें आरोप लगाती रही हैं कि ईरान कुछ सशस्त्र संगठनों को समर्थन देता है, जबकि ईरान इन आरोपों से इनकार करता है और अपनी नीति को राष्ट्रीय सुरक्षा तथा क्षेत्रीय संतुलन का हिस्सा बताता है। यही परस्पर अविश्वास इस संघर्ष को और गहरा करता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनेक अवसरों पर कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जाएंगे।।वहीं उन्होंने यह भी कहा कि यदि ईरान वार्ता के लिए आगे आता है तो अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। इन दो संदेशों।कड़े सैन्य रुख और कूटनीतिक संवाद के बीच का विरोधाभास विश्व समुदाय को असमंजस में डालता है।इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लगातार यह कहते रहे हैं कि इज़रायल अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा और आवश्यकता पड़ने पर हर खतरे का जवाब देगा।।उनके अनुसार ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताएँ इज़रायल के अस्तित्व के लिए चुनौती हैं।

दूसरी ओर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई और ईरानी नेतृत्व बार-बार यह कहते रहे थे कि ईरान किसी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और अपनी संप्रभुता तथा राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा।।ईरान यह भी आरोप लगाता है कि अमेरिका और इज़रायल क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं।

इन परस्पर विरोधी बयानों के बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि सभी पक्ष स्वयं को शांति का समर्थक बताते हैं, तो युद्ध की आग बार-बार क्यों भड़क उठती है? क्या युद्धविराम वास्तव में स्थायी शांति का माध्यम है, या केवल सैन्य और कूटनीतिक पुनर्संयोजन का अवसर?

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने कई बार सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और तत्काल तनाव कम करने की अपील की है। उनका स्पष्ट मत रहा है कि मध्य-पूर्व किसी और युद्ध का भार नहीं उठा सकता। यह कथन केवल एक क्षेत्र की चिंता नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के भविष्य की चेतावनी है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महाशक्तियाँ शक्ति प्रदर्शन के बजाय विश्वास निर्माण को प्राथमिकता दें। इतिहास यह सिद्ध करता है कि युद्ध की राख से कभी स्थायी शांति नहीं जन्म लेती; स्थायी शांति केवल संवाद, पारस्परिक सम्मान और अंतरराष्ट्रीय कानून के निष्पक्ष पालन से ही संभव है।

इस प्रकार के संतुलित और सत्यापन योग्य उद्धरण आपके आलेख को अधिक विश्वसनीय और प्रकाशन-योग्य बनाते हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि शांति वार्ताएँ अक्सर युद्ध की तैयारी के समानांतर चलती दिखाई देती हैं। एक ओर बातचीत होती है, दूसरी ओर हथियारों की खरीद, सैन्य तैनाती और रणनीतिक गठबंधन तेज़ हो जाते हैं। इससे विश्व समुदाय के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या युद्धविराम वास्तव में शांति के लिए है या केवल अगली सैन्य तैयारी के लिए समय जुटाने का माध्यम? संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की प्रभावशीलता भी इस संकट में कठोर परीक्षा से गुजर रही है। यदि विश्व की सबसे बड़ी संस्थाएँ स्थायी शांति स्थापित करने में सफल नहीं होतीं, तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमज़ोर पड़ता है।

आज जरूरत किसी एक देश का पक्ष लेने की नहीं, बल्कि ऐसी वैश्विक व्यवस्था की है जहाँ अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति और संवाद को हथियारों से अधिक महत्व मिले। विश्व युद्ध की आशंका, परमाणु हथियारों का खतरा और बढ़ती आर्थिक अस्थिरता मानव सभ्यता के लिए गंभीर चेतावनी हैं।

इतिहास गवाह है कि युद्ध का कोई स्थायी विजेता नहीं होता। विजेता और पराजित दोनों की कीमत अंततः आम नागरिक चुकाते हैं। इसलिए विश्व नेतृत्व को शक्ति प्रदर्शन से अधिक विश्वास निर्माण, पारदर्शी कूटनीति और स्थायी शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। यही मानवता के हित में सबसे बड़ा निवेश होगा।

**–संजीव ठाकुर**

## कम शुल्क से बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा, भारत को चाहिए स्थायी आयात सुधार

केंद्र सरकार द्वारा कुछ वस्तुओं को सीमा शुल्क से छूट देने का निर्णय बिल्कुल सही समय पर लिया गया है। पिछले सप्ताह सरकार ने वाहन, औद्योगिक और चिकित्सा उपकरण, मोबाइल फोन और लीथियम-आयन सेल के निर्माण में उपयोग होने वाले कई पुर्जों और मशीनों पर सीमा शुल्क से छूट देने का फैसला किया। इन वस्तुओं पर लागू शुल्क 7.5 से 15 फीसदी के बीच था।

जैसा कि इस समाचार पत्र ने बताया था, लीथियम-आयन सेल उत्पादन में उपयोग होने वाली मशीनों की एक बड़ी सूची अब अंतिम उपयोग संबंधी अनिवार्यता के बिना शुल्क से मुक्त है। यह तर्क दिया गया है कि यह कदम घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को ऐसे समय में सहारा देने के लिए है जब पश्चिम एशिया संकट ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर दिया और लागत बढ़ा दी है। यह छूट मार्च 2029 के अंत तक प्रभावी रहेगी।

हालांकि शुल्क छूट के फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन इसकी एक तय अंतिम तिथि आयात उदारीकरण के प्रति भारत की अंतर्निहित अनिच्छा को रेखांकित करती है। चिह्नित क्षेत्रों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान या भू-राजनीतिक तनाव के कारण ही ऐसी नीतिगत सहायता की आवश्यकता नहीं है। भारतीय व्यवसायों को सामान्य रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बनने के लिए कम शुल्क की आवश्यकता है। छूट की तय अंतिम तिथि से केवल मौजूदा कंपनियों को ही लाभ होने की संभावना है और इन क्षेत्रों में नए निवेश को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा। आयात शुल्क कम करने के ठोस कारण हैं।

अर्थशास्त्रियों ने लंबे समय से साक्ष्यों के साथ यह तर्क दिया है कि आयात शुल्क प्रभावी रूप से निर्यात पर कर के रूप में कार्य करता है। भारत को अपनी शुल्क संरचना की व्यापक समीक्षा करने की आवश्यकता है। आयात पर कम प्रतिबंध, उत्पादन बढ़ाने और सामान्य रूप से निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता प्राप्त करने के लिए वैसे ही महत्त्वपूर्ण हैं, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स और संबंधित उत्पादों के क्षेत्र में यह विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है।

नीति आयोग की 2024 की रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार का लगभग 70 फीसदी हिस्सा वैश्विक मूल्य श्रृंखला (जीवीसी) वाले वस्तुओं का है। इलेक्ट्रॉनिक्स के मामले में यह 80 फीसदी तक पहुंच जाता है। इसलिए, यदि भारत को सामान्य रूप से जीवीसी में, और विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिए, एकीकृत होना है, तो उसे एक प्रतिस्पर्धी शुल्क संरचना की आवश्यकता होगी। आयात प्रतिबंध और उच्च शुल्क बाधा पैदा करते हैं, जिससे जीवीसी में भागीदारी प्रभावित होती है।

नीति आयोग रिपोर्ट में सही ही कहा गया है कि भारत की शुल्क संरचना, जिसमें कई स्लैब हैं, अक्सर गलतफहमी और विवादों को जन्म देती है। बार-बार संशोधन भी समस्याएं पैदा करते हैं। ये सभी मुद्दे, जो भारतीय उत्पादकों और निर्यातकों को नुकसान पहुंचाते हैं, टाले जा सकते हैं।

**–धनंजय राजौरा**

# गगनयान उड़ान पूर्व के सुरक्षा परीक्षण हुए सफल

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अभियान गगनयान अभियान की सुरक्षा और सफलता सुनिषचत करने की दृश्टि से किए गए क्रू मॉड्यूल प्रणाली के तीन परीक्षण सफलता के साथ संपन्न हो गए। ये परीक्षण अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी, आपात स्थिति में मॉड्यूल को सीधा रखने और पैराशूट की मजबूती परखने से संबंधित है। क्रू मॉड्यूल अंतरिक्ष यान का वह कक्ष होता है, जिसमें बैठकर अंतरिक्ष यात्री उड़ान भरते है। यह अंतरिक्ष के कठोर वातावरण में यात्रियों के रहने के लिए तैयार किया गया एक वातानुकुलित मजबूत कैप्सूल होता है, जो यात्रियों को विकीरण और अधिकतम तापमान के दुश्प्रभावों से बचाता है। ये सभी परीक्षण मध्यप्रदेष के ष्योपुर जिले की हरितभूमि से जुलाई-2026 में किए गए।

देष के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान से जुड़े पैलोड के साथ उड़ान भरने वाले परीक्षण यान के असफल होने की स्थिति में क्रू मॉड्यूल अर्थात जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे को बाहरी अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के बाद वापस सुरक्षित लाने के लिए क्रू एस्केप सिस्टम यानी चालक दल बचाव प्रणाली (सीईएस) का सफल परीक्षण कर विष्व कीर्तिमान रच दिया है। इस बचाव प्रणाली की जरूरत इसलिए थी, क्योंकि यान के असफल होने पर कई वैज्ञानिक प्राण गंवा चुके हैं। हालांकि ये परीक्षण समुद्र के ऊपर आसमान में किए जाते हैं, ऐसे परीक्षणों में क्रू मॉड्यूल को रॉकेट से छोड़ा जाता है और फिर इसे रॉकेट से अलग कर समुद्र में गिरा दिया जाता है। भारत यह परीक्षण पहले ही कर चुका है। इसके विपरीत ष्योपुर में किए गए परीक्षण के अंतर्गत अम्बिलिकल मैकेनिज्म अलगाव प्रणाली के द्वारा अंतरिक्ष यात्रियों वाले क्रू मॉड्यूल और इसे ऊर्जा देने वाले सर्विस मॉड्यूल जो आपस में जुड़े होते हैं, इन्हें आसमान में छोड़ा जाता है। फिर वायुमंडल में प्रवेष से ठीक पहले इन दोनों हिस्सों को बिना किसी बाधा के अलग करने की प्रक्रिया का परीक्षण किया जाता है। इसके तहत क्रू मॉड्यूल से जुड़े पैराषूट के डिब्बे को सुरक्षित रखने वाले ढक्कन (एपेक्स कवर) को अलग किया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान क्रू मॉड्यूल की उस क्षमता को परखा गया जो उड़ान के समय पड़ने वाले दबाव के 1.75 अधिक होती है। इस जांच का लक्ष्य अधिकतम संभावित वजन की स्थिति में पैराशूट की तकनीकी क्षमता और मजबूती को परखना होता है। इस परीक्षण में इसरो का सब-ऑर्बिट लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट अभियान खरा साबित हुआ। इस परीक्षण से पहले जून 2026 में गगनयान के अंतरिक्ष में ले जाने वाले रॉकेट के इंजन (एलवीएम-3) का 90 प्रतिशत थ्रस्ट भार परीक्षण भी जांच कर लिया गया है। इन परीक्षणों का मुख्य उद्देष्य कालांतर में मानव रहित गगनयान-जी-1 और अंतिम मानवयुक्त मिषन के लिए तकनीकी खामियों की संभावना को षून्य करना रहा है। 2027 मानवयुक्त गगनयान अंतरिक्ष में छोड़ा जा सकता है। इसके बाद 2035 में भारत अंतरिक्ष स्टेषन स्थापित करने का इच्छुक है और फिर 2040 में चंद्रमा पर भारतीय नागरिकों को उतारने की कल्पना की जा रही है।

मानव युक्त गगनयान को छोड़ने से पहले भारत मानवरहित गगनयान छोड़कर वास्तविक उड़ान की सभी तकनीकों को परखेगा, जिससे किसी भी हादसे की आषंका दूर बनी रहे। इस यात्रा में हाफ ह्मूमनॉइड रोबोट 'व्योममित्र' को भेजा जाएगा। यह एक ऐसा रोबोट होता है, जो षारीरिक संरचना में इंसानों जैसा अनुभव होता है। इसे 'रोबोट-मानव' कहते है। यह रोबोट महिला के रूप में यात्रा करेगी। इस व्योमित्र को वैज्ञानिक क्रू मॉड्यूल की प्रणाली में जोड़ने का काम फिलहाल कर रहे हैं। व्योमित्र अंतरिक्ष में मानवीय गतिविधियों की नकल करेगी और जीवन-सुरक्षा प्रणाली को परखेगी। साथ ही कक्ष पर वायुमंडल के पड़ने वाले दबाव पर भी नजर रखेगी। यह अभियान गगनयान की धरती पर वापसी और समुद्र में लैंडिग की प्रक्रिया का डेटा जुटाएगा। जिससे, मानवयुक्त अंतरिक्ष मिषन को षत-प्रतिषत सुरक्षित बनाया जा सके। हालांकि इसके बाद मानव रहित जी-2 और जी-3 मिषनों के द्वारा भी नए परीक्षण किए जा सकते हैं।

इस मिषन के लिए 10 हजार करोड़ रुपए मंजूर किए जा चुके हैं। अब तक भारतीय या भारतीय मूल के चार वैज्ञानिक अंतरिक्ष की यात्रा कर चुके हैं। राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय हैं। शर्मा रूस के अंतरिक्ष यान सोयुज टी-11 से अंतरिक्ष गए थे। इनके अलावा भारतीय मूल की कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स भी अमेरिकी कार्यक्रम के तहत अंतरिक्ष जा चुकी हैं। 2025 में शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष की यात्रा की थी। शुक्ला ने अंतरिक्ष में बीज बोने का अनूठा कार्य किया था। ये सावधानियां इसलिए बरती जा रही हैं, क्योंकि अमेरिकी मानव मिशन की असफलता के चलते भारतीय महिला वैज्ञानिक कल्पना चावला की मृत्यु हो गई थी। वे कोलंबिया अंतरिक्ष यान आपदा में मारे गए 7 यात्री दल सदस्यों में से एक थीं। इसी दृष्टि से अंतरिक्ष यात्री सुरक्षा-प्रणाली इसरो ने विकसित की है। मानवरहित यान अपना लक्ष्य साध लेता है तो 2027 में रोबोट मानव के साथ गगनयान भेजने की तैयारी में भारत है। अब तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही अंतरिक्ष में अपने मानवयुक्त यान भेजने में सफलता पाई है। रूस ने 12 अप्रैल 1961 को रूसी अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन को अंतरिक्ष में भेजा था। गागरिन दुनिया के पहले अंतरिक्ष यात्री थे। अमेरिका ने 5 मई 1961 को एलन शेपर्ड को अंतरिक्ष में भेजा था। ये अमेरिका से भेजे गए पहले अंतरिक्ष यात्री थे। चीन ने 15 अक्टूबर 2013 को यांग लिवेई को अंतरिक्ष में भेजने की कामयाबी हासिल की थी। गोया, भारत ने अब अंतरिक्ष में बड़ी छलांग लगाने की पुख्ता तैयारी कर ली है। मानवयुक्त गगनयान में अंतरिक्ष यात्री लगभग 3 से 7 दिन बिताते हुए सूक्ष्म गुरुत्वाकर्शण के प्रभावों से जुड़े अनेक वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। इस ऐतिहासिक यात्रा में जाने वाले यात्रियों के नाम भी तय हो गए हैं। ये हैं, प्रशांत बालकृष्णन , अजीत कृष्णन, अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला हैं। वर्तमान में उन्हें अंतरिक्ष यात्रा का गंभीर परीक्षण दिया जा रहा है।

बहरहाल अंतरिक्ष में भारतीय मानव मिषन के सफल होने के बाद ही चंद्रमा और मंगल पर मानव भेजने का रास्ता खुलेगा। इन पर बस्तियां बसाए जाने की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी। आने वाले वर्शों में अंतरिक्ष पर्यटन के भी बढ़ने की उम्मीद है। इसरो की यह सफलता अंतरिक्ष पर्यटन की पृश्ठभूमि का एक हिस्सा है। यह अभियान देष में अंतरिक्ष षोधकार्यों को बढ़ावा देगा। साथ ही भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रोद्यौगिकी तैयार करने में मदद मिलेगी। वैज्ञानिकों का तो यहां तक दावा है कि दवा, कृषि, औद्योगिक सुरक्षा, प्रदूषण, कचरा प्रबंधन तथा पानी एवं खाद्य स्रोत प्रबंधन के क्षेत्र में भी तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

**–प्रमोद भार्गव**

# अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती



अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है।

इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है।

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है।

वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है।

विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

**–ललित गर्ग**

# वर्षा ऋतु में बढ़ते जोड़ों और कमर के दर्द से मिलेगी मुक्तिः अमलतास आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में दो महीने का बस्ती उपचार शिविर शुरू

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आयुर्वेद के अनुसार बारीश के मौसम में मानवी शरीर में कुदरती तौर पर वात दोष में बढ़ोतरी हो जाती है यह बढा हुआ वात दोष शरीर में अनेक तरह की वात की बिमारियाँ उत्पन्न करता है जैसे की जोडों मे दर्द होना, गठियां की बिमारी, पीठ दर्द, कमर दर्द, बदन दर्द, लकवा, अंगों का सुन होना, बद्धकोष्ठता, जुलाब, डिसेंटरी इत्यादी

इन सब बिमारीओं से बचने के लिए एक बहुत ही अच्छा चिकित्सा उपचार आयुर्वेद में बताया गया है उस चिकित्सा उपक्रम को ही बस्ती चिकित्सा कहते है जिसमे डॉक्टर पेशेंट की गुदा द्वारा औषधी तैल या काढा पेशंट की शरीर के अन्दर छोड़ते है यह ट्रीटमेंट दिखने में तो एनिमा जैसी है लेकिन बस्ती की उपयोगिता एनिमा से बहुत कुछ ज्यादा है बस्ती द्वारा शरीर में छोड़े गये औषधीओं की वजह से शरीर में बढे हुए वात दोष से हमें मुक्ती मिलती है और बिमारी ठीक होने में मदद मिलती है आयुर्वेद यह मानती है की, शरीर में जब दोष बढ़ता है उसी समय अगर उसका निराकरण होता है तो बिमारी जडसे ख़त्म होने में मदद मिलती है

इसी को चलते, अमलतास आयुर्वेदिक हॉस्पिटल, बांगर ग्राम, देवास में 10 जुलाई से 10 सितम्बर तक मतलब दो महीने के लिए बस्ती उपचार शिविर का आयोजन किया गया है जिन जिन मरीज को ऊपर निर्दिष्ट वात की बिमारिओं की समस्या है वे सब मरीज इस शिविर का लाभ उठाये ऐसा आवाहन हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से किया गया है शिविर में आनेवाले सभी पेशंट्स को थेरपी के चार्जेस पर 20त्न डिस्काउंट दिया जाएगा

शिविर के शुभारंभ पर अमलतास ग्रुप के चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया ने अपना संदेश देते हुए कहा–÷हमारा उद्देश्य क्षेत्र के हर नागरिक को आयुर्वेद की प्राचीन और शुद्धतम चिकित्सा पद्धतियों का लाभ बेहद किफायती दरों पर उपलब्ध कराना है। वर्षा ऋतु में होने वाले वात कष्टों से मुक्ति दिलाने में यह बस्ती शिविर अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। जन-कल्याण के इसी संकल्प के साथ हमने थेरपी शुल्कों में विशेष छूट का प्रावधान भी किया है।

## 6 राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

### अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वर्ष 2025 के राज्य और जिला स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 31 अगस्त 2026 कर दिया गया है।विभाग को पूर्व में तय समय-सीमा के भीतर बेहद कम संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसके चलते जमीनी स्तर पर काम करने वाले वास्तविक हकदारों तक पहुँचने के उद्देश्य से आवेदन की तिथि बढ़ा दी गयी है।

कुल छह अलग-अलग श्रेणियों में राज्य और जिला स्तर पर पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसमें विजेताओं को एक लाख रुपये तक की सम्मान निधि और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया जाता है। इसके तहत बाल विवाह और दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने तथा पीड़ितों के पुनर्वास में योगदान देने वाली बालिकाओं और महिलाओं को रानी अवंती बाई राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, साक्षरता और पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में प्रमाणिक कार्य करने वाली महिलाओं को राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि इसी कार्य क्षेत्र में सक्रिय पुरुषों और स्वयंसेवी संस्थाओं (ह्तह्) के लिए श्री विष्णु कुमार महिला बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान से पुरस्कृत किया जायेगा।

अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लोहा लेने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए भी विभाग ने विशेष श्रेणियों को शामिल किया है। इनमें मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार और राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार प्रमुख हैं, जो उन महिलाओं और पुरुषों को दिए जाएंगे जिन्होंने वर्ष 2025 के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर किसी महिला के सम्मान और गरिमा की रक्षा की हो। मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार राज्य स्तर पर चार और जिला स्तर पर दो विजेताओं को दिया जाएगा, जिसमें जिला स्तर पर पचास हजार रुपये की सम्मान राशि तय की गई है। इसके अतिरिक्त, अपने ऊपर हुए किसी भी प्रकार के हमले या हिंसा का डटकर मुकाबला करने वाली और आत्मरक्षा की अनूठी मिसाल पेश करने वाली जांबाज महिलाओं को अरुणा शानबाग वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

इच्छुक आवेदक इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आवेदन का निर्धारित प्रारूप विभागीय वेबसाइट (www.mpwcdmis.gov.in) से डाउनलोड कर सकते हैं या सीधे अपने जिले के जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे गए आवेदनों को सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ अंतिम तिथि से पहले जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में जमा कराना होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवेदन पत्र पर उस विशिष्ट पुरस्कार का नाम साफ तौर पर लिखा होना चाहिए जिसके लिए दावेदारी की जा रही है। साथ ही, आवेदन में एक अनुक्रमणिका (इंडेक्स) लगाना और सभी पृष्ठों पर नंबर डालना अनिवार्य है ताकि स्क्रूटनी के समय पारदर्शिता बनी रहे।

जिन योग्य उम्मीदवारों ने पूर्व में ही समय-सीमा में अपने आवेदन जमा कर दिए थे, उन्हें दोबारा फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं है, उनके पुराने आवेदनों को पूरी तरह वैध माना जाएगा।

## सड़क हादसे में मजदूर घायल, बाईक के सामने कुत्ता आ जाने से हुआ हादसा

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मक्सी रेलवे फाटक के पास रविवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी बाइक के सामने अचानक एक कुत्ता आ जाने से हादसा हुआ। हादसे में युवक के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घायल युवक की पहचान बल्दिया सोन निवासी रितिक के रूप में हुई है। वह उज्जैन में मजदूरी करता है और प्रतिदिन अपने गांव से उज्जैन आता-जाता है। हादसा रविवार रात करीब 9 बजे उज्जैन से अपने घर लौटते समय हुआ। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत रितिक की मदद की और उसे मक्सी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे शाजापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में युवक का इलाज जारी है।

## हादसों से मिलेगी मुक्ति, तेज गति से चल रहा अंडरब्रिज का काम

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहरी हाईवे पर चल रहा अंडर ब्रिज का निर्माण अब अंतिम चरण में है। अंडर ब्रिज बन जाने से हाईवे पर खासकर शहर के अंदर आने वाले वाहन चालकों के लिए आवागमन आसान हो जाएगा। जिससे यहां हादसों की संभावना कम हो जाएगी और आवागमन सुरक्षित रहेगा।

जिला मुख्यालय से करीब 7 किमी दूर ग्राम सनकोटा से वाहन चालक अंदर प्रवेश करते हैं। यहां कई बार भीषण हादसे हो चुके हैं। क्योंकि हाईवे पर वाहन चालकों को अंदर आने के लिए दूसरी तरफ वाहन मोड़ना पड़ता है। ऐसे में हादसों की संभावना ज्यादा रहती है। यहां कई ऐसे हादसे हुए हैं जिसमें वाहन चालकों को काफी नुकसान हुआ है और इस क्षेत्र को ब्लेक स्पॉट भी घोषित किया गया था। यहां हादसों से बचने के लिए गत दिनों अधिकारियों ने ब्लेक स्पॉट का निरीक्षण कर हादसे रोकने के लिए योजना बनाई थी। तब तय किया गया था कि यहां अंडर ब्रिज का निर्माण किया जाए तो शहर के अंदर आने वाले वाहन अंडर ब्रिज के नीचे से सीधे अंदर प्रवेश कर जाएंगे और लंबे रूट के वाहन सीधे निकल सकते हैं जिससे हादसे भी नहीं होंगे और आवागमन भी सुरक्षित रहेगा। इस निर्णय के बाद नवंबर माह से इस अंडर ब्रिज का निर्माण शुरू किया गया था। जो अब जुलाई माह में पूर्ण होने की स्थिति में आ चुका है। यहां अब स्लैब डाली जा रही है। जिसके बाद जल्द ही यह अंडर ब्रिज बनकर तैयार हो जाएगा।

वाहन चालकों को होगी आसानी- वाहन चालकों के लिए यह अंडर ब्रिज काफी फायदेमंद साबित होगा। क्योंकि अंडर ब्रिज के अंदर आने के बाद वाहन चालक आसानी से नगर में प्रवेश कर सकते हैं और जो लंबी दूरी के वाहन हैं वे अंडर ब्रिज के बाहर से ही निकल सकेंगे। जिससे दोनो को सुविधा होगी और हादसे भी नहीं होंगे। पहले यहां कई ऐसे हादसे हुए हैं जिनमें या तो वाहन दूसरे वाहन को बचाने में अनियंत्रित होते थे या फिर दो वाहनों की आपस में भिड़त हो जाती थी। अंडर ब्रिज के बन जाने के बाद ऐसे हादसों में कमी आएगी।

## एसपी ने स्टार लगाकर चार सूबेदार को बनाया रक्षित निरीक्षक

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी पदोन्नति सूची के तहत शाजापुर जिले के चार सूबेदारों को रक्षित निरीक्षक (आरआई) के पद पर पदोन्नत किया गया है। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे एसपी प्रियंका शुक्ला और एएसपी घनश्याम मालवीय ने इन अधिकारियों को स्टार लगाकर सम्मानित किया और नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई दी।

पदोन्नत होने वाले पुलिस अधिकारियों में रविशंकर वर्मा, सौरभ सिंह चैहान, सीमा मौर्य और सोनू वर्मा शामिल हैं। पदोन्नति मिलने के बाद ये चारों अधिकारी अब सूबेदार से रक्षित निरीक्षक बन गए हैं। इन अधिकारियों में से रविशंकर वर्मा, सौरभ सिंह चैहान और सीमा मौर्य वर्तमान में शाजापुर के यातायात थाने में सूबेदार के पद पर तैनात थे। वहीं सोनू वर्मा पुलिस लाइन में अपनी सेवाएं दे रहे थे। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला ने कहा कि पदोन्नति केवल एक सम्मान नहीं है, बल्कि यह अपने साथ बड़ी जिम्मेदारियां भी लाती है। उन्होंने सभी चारों प्रमोट हुए अधिकारियों से अपनी नई भूमिका को पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने की उम्मीद जताई।

## बेटे की मौत का गम नहीं सह सकी मां, बेटे के साथ जली चिता

### मक्सी में अंतिम संस्कार देख लोगों के निकल गए आंसू

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के मक्सी में हृदय विदारक घटना हुई जहां अस्थमा अटैक से बेटे की मौत का सदमा एक मां को ऐसा लगा कि उसने भी दम तोड़ दिया। जिसके बाद दोनो की चिता एक साथ जली।

कांग्रेस नेता नरेंद्र जैन की मौत का गम उनकी 102 वर्षीय मां राजूबाई सहन नहीं कर सकीं। बेटे के निधन के करीब 20 घंटे बाद मां का भी निधन हो गया। इसके बाद मां और बेटे की अंतिम यात्रा एक साथ निकाली गई। दोनों का अंतिम संस्कार भी एक ही चिता पर किया गया। इसे देख लोगों की आंखें नम हो गईं।

अस्थमा अटैक से हुई थी मौत- मक्सी के जैन परिवार के सदस्य और पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन (60) की रविवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। कुछ देर बाद अस्थमा अटैक से उनकी मौत हो गई। मृतक के छोटे भाई सुरेंद्र जैन ने बताया कि नरेंद्र जैन के बेटे शुभम जैन रायपुर के एक निजी अस्पताल में कार्यरत हैं। घटना के समय वह शहर से बाहर थे। इसी कारण परिवार ने अंतिम संस्कार सोमवार को करने का फैसला किया। तब तक नरेंद्र जैन का पार्थिव शरीर घर

पर रखा गया। नरेंद्र जैन की मां राजूबाई वेदमूथा बेटे की मौत के बाद गहरे सदमे में थीं। बेटे के निधन का दुख उन्हें भीतर तक तोड़ चुका था। सोमवार तड़के परिवार अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटा था। इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। सुरेंद्र जैन ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे उन्होंने घर पर अंतिम सांस ली। बेटे की मौत के करीब 20 घंटे बाद मां के निधन से परिवार शोक में डूब गया। इसके बाद दोनों की अंतिम यात्रा एक साथ निकालने का फैसला किया गया।

मां और बेटे की अर्थियां एक साथ निकलीं- सोमवार को घर से मां और बेटे की अर्थियां एक साथ निकलीं। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में परिजन, समाजजन, स्थानीय लोग और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग शामिल हुए। मां-बेटे की एक साथ उठी अर्थियां देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। सोमवार दोपहर मक्सी मुक्ति धाम में मां और बेटे का अंतिम संस्कार किया गया। दोनों को एक ही चिता पर मुखाग्नि दी गई। कुछ ही घंटों के अंतराल में एक ही परिवार की दो पीढ़ियों की विदाई ने पूरे नगर को भावुक कर दिया।

परिवार में 6 बेटे, पांचवें नंबर पर थे नरेंद्र - परिजनों ने बताया कि राजूबाई के 6 बेटे हैं। इनमें नरेंद्र जैन पांचवें नंबर पर थे। नरेंद्र जैन वर्ष 2008 से 2013 तक कांग्रेस पार्टी से मक्सी नगर परिषद के उपाध्यक्ष रहे। वे सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहने के साथ वर्तमान में जैन समाज के उपाध्यक्ष भी थे।

## तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण का हुआ समापन

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 11 से 13 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय स्तर पर विवादों के सौहार्दपूर्ण एवं शीघ्र निराकरण हेतु सामुदायिक मध्यस्थों को आवश्यक ज्ञान, व्यवहारिक कौशल एवं मध्यस्थता की तकनीकों से प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों से चयनित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने कहा कि, विवादों का पुलिस थानों एवं न्यायालयों में आने से पूर्व ही समाज में समझौते के माध्यम से निपटारा करने के उद्देश्य से समाज के प्रबुद्धजन को मीडिएशन प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि मीडिएशन की तकनीक को समझ कर बेहतर परिणाम दिला सकें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने भी समाज के विकास में सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित सामुदायिक मध्यस्थ विभिन्न क्षेत्रों में मीडिएशन सेंटर स्थापित कर समाज के विवादों का प्रारंभिक स्तर पर निराकरण कर सकेंगे। प्रशिक्षण में सीनियर ट्रेनर एम.सी.पी.सी. श्री शाहिद मोहम्मद एवं सेवानिवृत्त प्रधान जिला न्यायाधीश एवं मध्यस्थ कु. भावना साधो द्वारा प्रतिभागियों को मध्यस्थता के सिद्धांतों. संवाद कौशल, विवाद समाधान की प्रभावी तकनीकों एवं सामुदायिक स्तर पर शांति एवं सौहार्द स्थापित करने में मध्यस्थों की भूमिका से अवगत कराया गया।

## सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु सुनिश्चित करना विभागों की साझा जिम्मेदारी है - कलेक्टर

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिला पोषण समिति एवं जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं तथा गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले से कुपोषण समाप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए चिन्हित बच्चों का नियमित फॉलोअप किया जाए तथा गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को समय पर सभी स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने टेक होम राशन (टीएचआर) वितरण की नियमित समीक्षा करने, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सतत निगरानी रखने तथा मातृ मृत्यु दर को न्यूनतम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गर्भवती महिला की मृत्यु नहीं होनी चाहिए। सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु सुनिश्चित करना स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला पोषण समिति की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने नियमित एएनसी जांच, एनीमिया की पहचान एवं उपचार, समय पर टीकाकरण तथा संस्थागत प्रसव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में गर्भवती महिलाओं की प्रथम एएनसी जांच का प्रदर्शन 99.68 प्रतिशत तथा द्वितीय एएनसी जांच 89.46 प्रतिशत रहा। बच्चों के शारीरिक मापन का कार्य 99.86 प्रतिशत पूर्ण किया गया, जबकि आंगनवाड़ी केन्द्रों पर सामुदायिक आधारित आयोजनों का लक्ष्य लगभग शत-प्रतिशत पूरा किया गया। एबीएचए आईडी सत्यापन में भी जिला 89.43 प्रतिशत प्रगति दर्ज कर चुका है।

## वीडियो पोस्ट कर युवती से की 30 हजार रू. की मांग

### युवती की शिकायत पर पुलिस ने किया मामला दर्ज, आरोपी की तलाश जारी

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** एक युवती को बदनामी का डर दिखाकर उसका वीडियो दिखाकर युवती से 30 हजार रूपयों की मांग की। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मामले की जांच के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

मामला जिले के मक्सी थाना क्षेत्र का है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर मक्सी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67(ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार युवती के पिता ने बताया कि 6 मई को उनके भांजे इमरान ने उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से आया अश्लील वीडियो दिखाया। इस वीडियो में उनकी बेटी थी। इसके बाद परिवार ने संबंधित मोबाइल नंबर की जानकारी जुटाई और युवती से पूछताछ की।

शुजालपुर निवासी इब्राहिम से हुई दोस्ती- युवती ने पुलिस को बताया कि उसकी इंस्टाग्राम पर शुजालपुर निवासी इब्राहिम से उसकी दोस्ती हुई थी। दोनों वीडियो काल पर बात करते थे। इसी दौरान आरोपी ने वीडियो काल रिकार्ड कर लिया। बाद में उसने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 30 हजार रुपए की मांग की। बदनामी के डर से युवती ने अपने परिवार को नहीं बताई थी। लेकिन आरोपी ने रुपए नहीं मिलने पर आरोपी ने अश्लील वीडियो वायरल कर दिया और लगातार पैसों की मांग करता रहा। इसके बाद पीड़ित रविवार को मां के साथ मक्सी थाने पहुंची और कार्रवाई की मांग की। पुलिस को शिकायत के साथ वीडियो की एक सीडी भी सौंपी गई है।

जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी- मक्सी थाना पुलिस ने आवेदन के आधार पर शुजालपुर निवासी आरोपी पिता सौराब के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2008 की धारा 67(ए) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों का परीक्षण कराया जाएगा। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक टीम भेजी गई है।

## समय-सीमा वाले प्रकरणों का त्वरित निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही बर्दाश्त नहीं - कलेक्टर

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, राजस्व मामलों, वन अधिकार अधिनियम, भू-अर्जन, राहत प्रकरणों तथा वर्षाकालीन व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकताओं से जुड़े सभी प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर प्रकरणों को अनावश्यक लंबित न रखा जाये।

बैठक में कलेक्टर ने भू-अर्जन, रेलवे भूमि मुआवजा वितरण, सीएम हेल्पलाइन, वन अधिकार अधिनियम तथा अन्य राजस्व प्रकरणों में अधिक पेंडेंसी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए राजस्व अधिकारियों और जिला परिवहन अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे तत्परता और गंभीरता के साथ लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन जैसे राजस्व प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने राजस्व एवं वन विभाग को निर्देश दिए कि वन अधिकार पट्टों के फौती की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए। इसके साथ ही उन्होंने वन अधिकार के सामुदायिक दावों को वन मित्र पोर्टल पर दर्ज किया जाए। उन्होंने वन अधिकार समितियों (एफआरसी) से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी जनपदों के सीईओ को आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय भूमि की मांग से जुड़े मामलों में उपयुक्त भूमि का शीघ्र चिन्हांकन कर त्वरित भूमि आवंटन की कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने वन व्यवस्थापन से संबंधित लंबित प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

## 15 से 30 जुलाई तक होगा नशे से दूरी है जरूरी-2.0 अभियान का आयोजन

### आयोजन की रूपरेखा के लिए हुई बैठक, एएसपी ने दिए निर्देश

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुलिस मुख्यालय भोपाल की नारकोटिक्स शाखा के निर्देशानुसार जिले में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध नशे के विरुद्ध जनजागरूकता बढ़ाने तथा प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से 15 जुलाई से 30 जुलाई तक ''नशे से दूरी है जरूरी-2.0'' अभियान संचालित किया जाएगा।

अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं रूपरेखा निर्धारण हेतु जिला स्तर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के दौरान आयोजित किए जाने वाले जनजागरूकता कार्यक्रमों, विभिन्न विभागों के समन्वय तथा कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में रक्षित निरीक्षक वंदना सिंह, थाना प्रभारी कोतवाली संतोष बघेला, थाना प्रभारी यातायात सौरभ शुक्ला, रक्षित निरीक्षक रवि वर्मा, सीमा मौर्य, सूबेदार दीपिका डाबर, नेहा पवार, महिला थाना उपनिरीक्षक मोनिका एंब्रियो, सोशल मीडिया प्रभारी प्रधान आरक्षक विकास तिवारी, आरक्षक रोहित बिलावलिया, अंकुर नशा मुक्ति केंद्र के प्रभारी ओपी विजयवर्गीय तथा जिला खेल अधिकारी प्रभारी श्री मनोज वशिष्ठ उपस्थित रहे। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों एवं विभागों को अभियान के दौरान अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए।

# कृषि एवं किसान हित में समर्पित सेवाओं को मिला सम्मान

## वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी उदय कुमार अग्निहोत्री का गरिमामय सेवानिवृत्ति समारोह संपन्न



**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री उदय कुमार अग्निहोत्री के सेवानिवृत्ति अवसर पर आयोजित गरिमामय सम्मान समारोह में नगर एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, कृषि विभाग के अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, किसानों तथा व्यापारियों ने उपस्थित होकर उनके दीर्घकालीन सेवाकाल का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री जितेंद्र उदय सिंह पंड्या मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में विधायक श्री पंड्या ने कहा कि श्री उदय कुमार अग्निहोत्री ने अपने सेवाकाल में कृषि एवं किसान हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिंचित कृषि क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय वृद्धि सरकार की किसान हितैषी नीतियों तथा उन्हें धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने वाले कर्मठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों का परिणाम है। श्री अग्निहोत्री जैसे निष्ठावान अधिकारी सरकार और किसानों के बीच मजबूत सेतु बनकर कार्य करते रहे हैं।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक शांतिलाल धाबाई, पूर्व विधायक मुरली मोरवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुकमाल जैन, सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष विराग मिश्रा,श्री नागदाह अग्निहोत्री ब्राह्मण समाज के उज्जैन केंद्रीय समिति के अध्यक्ष श्री महेंद्र शर्मा मामा जी, डॉ गणपति प्रसाद अग्निहोत्री,कृषि विकास अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष मनोहर गिरी कृषि विभाग के जिला अधिकारी श्री कमलेश राठौड़ एवं श्री जी आर मुवेल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने अग्निहोत्री के सरल व्यक्तित्व, प्रशासनिक दक्षता तथा किसान एवं कृषि आदान विक्रेताओं के साथ उनके आत्मीय संबंधों की सराहना करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया।

विशेष वक्ता के रूप में पूर्व सेल टैक्स अधिकारी कमिश्नर डॉ. धर्मपाल शर्मा ने श्री अग्निहोत्री के पारिवारिक संस्मरण साझा करते हुए उनके मानवीय एवं सामाजिक पक्ष पर प्रकाश डाला। वहीं कर्मचारी नेता घनश्याम पाठक ने कर्मचारी हितों एवं विभागीय कार्यों में उनके सहयोग और नेतृत्व की विस्तार से चर्चा की।

समारोह के प्रारंभ में अनिल शर्मा ने सरस्वती वंदना की ओर स्वागत सभी अतिथियों का डॉ प्रेम प्रकाश अग्निहोत्री,मनोज अग्निहोत्री के किया।स्वागत भाषण श्री मती पूर्णा गौरव पांडे ने दिया। नगर एवं क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संस्थाओं ने श्री अग्निहोत्री का शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन नितेश जोशी ने किया तथा अंत में कविश अग्निहोत्री ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# सुंदराबाद पहुंचे अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री, अखंड भारत पूजन के साथ किया वृक्षारोपण

## विकसित भारत को लेकर ग्राम स्तर पर युवाओ एवं छात्र छात्राओं के सहभाग पर चर्चा




**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी का अल्प प्रवास पर ग्राम सुन्दराबाद आगमन हुआ। आप पूर्व में विद्यार्थी परिषद में राष्ट्रीय मंत्री, अखिल भारतीय मेडिविज़न संयोजक, इंदौर महानगर मंत्री आदि विभिन्न दायित्वो का निर्वहन कर चुके हैं। आपके द्वारा ग्राम पंचायत परिसर में अखंड भारत का पूजन अर्चन कर पंचायत परिसर में वृक्षारोपण किया गया एवम ग्राम पंचायत के माध्यम से चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी ली साथ ही विद्यार्थी परिषद द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पो एवं कार्यक्रमों की जानकारी साझा की।

अपने वक्तव्य में आपने ग्राम पंचायत के माध्यम से किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों तथा पर्यावरण, जल संरक्षण व राष्ट्रीयता से जुड़े रचनात्मक कार्यों की सराहना की, एवं विकसित भारत को लेकर ग्राम स्तर पर युवाओ एवं छात्र छात्राओं के सहभाग हेतु विभिन नवाचारों पर अपने विचार रखे। आपके साथ परिषद देवास विभाग संगठन मंत्री अक्षत जोशी, फ़ार्माविज़न इंदौर के पूर्व सह प्रमुख केवल तंवर भी सम्मिलित रहे। आपके आगमन पर ग्राम पंचायत सुंदराबाद सरपंच प्रतिनिधि अजय पण्ड्या सजग, परिषद के पूर्व संगठन मंत्री एवं विधानसभा विस्तारक हर्षित पण्ड्या, जन अभियान परिषद प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष घनश्याम पण्ड्या, बूथ अध्यक्ष दीपक पण्ड्या, सचिव धर्मेंद्र बैरागी, अभिजीत पण्ड्या, सोहनसिंह पंवार, जगमोहन यादव, केलाशदास बैरागी आदि ने साफा बाँधकर एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया।

# कलेक्टर ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टर सभागार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की।

बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री चंद्रा ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का क्रियान्वयन समय-सीमा में, गुणवत्ता के साथ तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में लापरवाही, अनावश्यक विलंब एवं उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में निर्धारित समय से विलंब से उपस्थित होने पर जनपद पंचायत जावद के उपयंत्री श्री राजेंद्र सिंह तंवर, जनपद पंचायत मनासा के उपयंत्री श्री प्रवीण चौधरी, श्री मुकेश चौहान, श्री ओमप्रकाश कछावा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के ब्लॉक समन्वयक श्री राजेंद्र सिंह चौहान, जनपद पंचायत मनासा के श्री भूरिया तथा जिला पंचायत के श्री प्रकाश पालिया का एक-एक दिवस का वेतन/मानदेय काटने के निर्देश दिए गए। बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर उपयंत्री श्री गोपाल कुमावत पर भी एक दिवस के वेतन कटौती की कार्रवाई की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भविष्य में बैठक में विलंब से उपस्थित होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर सात दिवस के वेतन कटौती की कार्रवाई की जाएगी। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) की समीक्षा के दौरान प्लानर सॉफ्टवेयर पर लंबित ग्राम पंचायतों के विकास योजनाओं का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने, चिन्हित कार्यों को सिपरी पोर्टल पर जियोटैग एवं अनुमोदित कराने तथा सभी ग्राम पंचायतों में श्रमिक नियोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सक्रिय श्रमिकों की लंबित ई-केवाईसी एक सप्ताह में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए गए।

एक बगिया मां के नाम परियोजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पौधारोपण, पोल एवं फेंसिंग कार्यों की वास्तविक स्थिति प्रस्तुत करने तथा पात्र हितग्राहियों के भुगतान में किसी प्रकार की देरी नहीं होने के निर्देश दिए।

# महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा हेतु संस्था सृजन की कार्यकारिणी गठित

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** क्षेत्र की अग्रणी सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था संस्था सृजन के तत्वावधान में इस वर्ष भी महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा का पावन आयोजन किया जा रहा है। नवआरंभ की ओर अग्रसर के ध्येय वाक्य के साथ निरंतर लोक-कल्याण के कार्यों में जुटी संस्था के लिए इसे एक ऐतिहासिक और ईश्वरीय सुअवसर माना जाता है। इस दिव्य और पुनीत कार्य को सुचारू, सुव्यवस्थित और भव्य रूप से संपन्न करने के लिए संस्था द्वारा एक विशेष कार्यकारिणी आयोजन समिति का गठन कर सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों, प्रबुद्ध नागरिकों और ऊर्जावान सदस्यों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

संस्था सृजन के अध्यक्ष राकेश सिंह चौहान ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि बदनावर और आसपास के संपूर्ण अंचल में महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह है। इस विशाल धार्मिक समागम को ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं। रथ निर्माण, मार्ग व्यवस्था, प्रसाद वितरण कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए पदाधिकारियों की बैठकें अनवरत जारी हैं।

आयोजन को सफल बनाने के लिए क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों को शामिल कर जिस सशक्त कार्यकारिणी की घोषणा की गई है, उसमें अनुभवी मार्गदर्शकों और संरक्षकों की देखरेख में युवा शक्ति को दायित्व दिए गए हैं। संरक्षक मंडल - धर्मेन्द्र अग्निहोत्री, महेश पाटीदार, दिलीप सिंह चौहान,चंद्रभान सिंह सौलंकी, मार्गदर्शक - राजेन्द्र सराफ (बब्बू भैय्या) एवं हर्षवर्धन शर्मा। आयोजन को गति देने के लिए सर्वेश मण्डलेचा, अमित जैन (विक्की भैय्या), संजीव अग्रवाल और राजेन्द्रसिंह पंवार (फुंदा बापू) को उपाध्यक्ष पद की कमान सौंपी गई है। सचिव - पोप सिंह राठौर (पप्पी बना) और सह सचिव पंकज जी शर्मा। वित्तीय पारदर्शिता और सुदृढ़ प्रबंधन के लिए मनीष शर्मा को कोषाध्यक्ष का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व दिया गया है। प्रचार एवं मीडिया विंग- रथयात्रा की प्रत्येक गतिविधि को जन-जन तक पहुँचाने के लिए मीडिया प्रभारी के रूप में मोहित पांचाल और सह मीडिया प्रभारी के रूप में पंकज अवस्थी को मनोनीत किया गया है। महाप्रभु के इस विशाल रथ को श्रद्धापूर्वक खींचने और पूरी यात्रा के दौरान कानून व सुरक्षा व्यवस्था के साथ जन-सुविधाओं का ध्यान रखने के लिए सदस्यों की एक बड़ी और समर्पित टोली मुस्तैद की गई है। इस कार्यकारिणी सदस्य मंडल में प्रद्युम वर्मा, राजेन्द्र जाट, विजय जाट, संदीप राठौड, परमानंद पहलावन, निलेश सोमानी, पवन राठौड़ (पटेल साहब), प्रितेश सिंह पंवार, राकेश माली, तरूण शर्मा (एडव्होकेट), योगेश मुकाती (सरपंच), नितिन शर्मा, विनोद शर्मा, राधेश्याम तिलगारा और जयस विश्वकर्मा जैसे सक्रिय समाजसेवी व प्रबुद्धजन शामिल हैं।

संस्था के पदाधिकारियों ने अंचल के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं, माता-बहनों और सामाजिक संगठनों से इस पावन उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। अध्यक्ष श्री राकेश सिंह चौहान ने कहा कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की सेवा का यह अवसर पूरे क्षेत्र के कल्याण और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करेगा। महाप्रभु के इस पुनीत कार्य को भव्य और सफल बनाने के लिए संस्था सृजन की पूरी टीम संकल्पित होकर जुट गई है।

# सेंट मार्टिन स्कूल में विश्व जनसंख्या दिवस पर हुए विभिन्न आयोजन

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में आज सेंट मार्टिन स्कूल में विशेष आयोजन किये गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रांगण में विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे चिकित्सक डॉ आर सी यादव ने बच्चों को संबोधित किया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर स्कूल परिसर में बच्चों द्वारा पोस्टर बनाये गए जिसमे प्राकृतिक संसाधनों के असंतुलन एवं बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रभाव को दर्शाया गया एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया , जिसमे उन्होंने बढ़ती जनसख्या पर अपने विचार लिखे । मुख्य अतिथि डॉ आर सी यादव के आगमन पर स्कूल संचालक फादर जॉर्ज एवं प्रिंसिपल जेनेट जॉर्ज द्वारा उनका स्वागत किया गया तत्पश्चात अतिथि द्वारा विद्यालय के छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए बढ़ती हुई जनसंख्या पर अपने विचार व्यक्त किये जिसमे बढ़ती जनसंख्या के प्रभाव एवं उसके समाधान के प्रति जागरूकता फैलाने के बारे में बताया। बच्चों को संबोधित करते हुए स्कूल संचालक फादर जॉर्ज एवं शिक्षक जितेंद्र वर्मा ने बच्चो को बढ़ती जनसंख्या के कारण हो रही समस्या जैसे बढ़ती बेरोजगारी , गरीबी एवं शिक्षा की कमी के बारे मे बताया । प्रिंसिपल जेनेट जॉर्ज द्वारा अतिथि का आभार प्रकट किया गया । उक्त जानकारी स्कूल मेनेजर नवीन कुमार भगोरिया द्वारा दी गयी।

# शिक्षा के लिए सेवा का प्रेरक अभियानः स्व. पुष्पलता धूपिया की स्मृति में 101 विद्यार्थियों को स्कूल बैग व पानी की बोतलें भेंट

## जैन सोश्यल ग्रुप सेवा कार्यो से रच रहा इतिहास



**नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।**समाजसेवा तब सार्थक होती है, जब वह सीधे जरूरतमंदों के जीवन को स्पर्श करे। इसी भावना को साकार करते हुए जैन सोशल ग्रुप नागदा ने ग्राम भाटीसुड़ा के प्राथमिक विद्यालय में स्वर्गीय श्रीमती पुष्पलता जी धूपिया के प्रथम स्मृति दिवस पर धूपिया परिवार के सहयोग से 101 विद्यार्थियों को स्कूल बैग एवं पानी की बोतलों का वितरण किया। इस अवसर पर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था। उपस्थित अतिथियों ने इस पहल को शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय एवं प्रेरणादायी सेवा कार्य बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जैन सोशल ग्रुप नागदा के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम ने की। मुख्य अतिथि के रूप में वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष सतीश जैन (सांवेर वाले), मूर्तिपूजक श्रीसंघ के अध्यक्ष मनीष जैन तथा सरपंच प्रतिनिधि टिकमचंद उपस्थित रहे।

स्वागत उद्बोधन में धर्मेन्द्र बंम ने कहा कि शिक्षा से बढ़कर कोई दान नहीं है और विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके उज्ज्वल भविष्य में योगदान देना है। उन्होंने स्व. पुष्पलता धूपिया की स्मृति में आयोजित इस सेवा कार्य के लिए धूपिया परिवार की मुक्तकंठ से सराहना की।

मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि जैन सोशल ग्रुप नागदा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नेत्रदान, जल संरक्षण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों के माध्यम से समाज में सेवा की नई मिसाल कायम कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सहयोग, संवेदना और संस्कारों को सुदृढ़ करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन अंकुर जैन ने किया तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मोड़क ने जैन सोशल ग्रुप, धूपिया परिवार एवं सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर रीजन साहित्यिक कन्वीनर दिलीप कांठेड़, संस्कार निर्माण समिति कन्वीनर श्रेणिक बंम, पूर्व अध्यक्ष कमल जैन, सुभाष बाफना, सचिव प्रशांत नाहर, उपाध्यक्ष अमित बंम, रवि संघवी, कोषाध्यक्ष मनोज वागरेचा, नेत्रदान प्रभारी बृजेश बोहरा, संगठन मंत्री सुरेश नाहटा, प्रचार मंत्री पंकज पावेचा, यशवंत धूपिया, अरुण धूपिया, जितेन्द्र पोखरना, चंद्रप्रकाश कांठेड़, सचिन सकलेचा, बृजेश भटेवरा, पुखराज बोहरा, शुचिता धूपिया, शर्मिला बंम, संध्या संघवी सहित ग्रुप के अनेक सदस्य, विद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# सनातन संस्कारों की अनूठी मिसालः बैजनाथ मंदिर में पिता के साथ सेवा और भक्ति का केंद्र बनीं नन्हीं हंसिका



**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आधुनिकता के इस दौर में जहाँ नई पीढ़ी अक्सर अपनी जड़ों और संस्कृति से दूर होती नजर आती है, वहीं धार जिले के बदनावर नगर से एक बेहद भावुक और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आ रही है। नगर के अति प्राचीन, प्रसिद्ध और आस्था के प्रमुख केंद्र बाबा बैजनाथ महादेव मंदिर (उड़िया मंदिर) में इन दिनों एक नन्हीं बालिका अपनी निश्छल भक्ति और सेवा भाव से हर आने-जाने वाले श्रद्धालु का ध्यान आकर्षित कर रही है। यह बालिका कोई और नहीं, बल्कि मंदिर के पुजारी की सुपुत्री हंसिका ओमकार पुरी गोस्वामी हैं, जो इस समय पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, समर्पण और सनातन संस्कारों का एक अनुपम उदाहरण बनकर उभरी हैं।

आरती की थाल थामे श्रद्धालुओं का मन मोह रही हैं हंसिका- बाबा बैजनाथ मंदिर में प्रतिदिन होने वाली विधि-विधान से पूजा-अर्चना और भव्य आरती का एक अलग ही महत्व है। लेकिन इन दिनों विशेष रूप से रात्रि आरती के समय यहाँ का नजारा अलौकिक हो जाता है। जब मुख्य पुजारी के साथ उनकी नन्हीं पुत्री हंसिका पूरी आत्मीयता, तन्मयता और शुद्ध भक्ति भाव से आरती की थाल थामकर भोलेनाथ की आराधना में लीन होती हैं, तो वहाँ उपस्थित हर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठता है। हंसिका के चेहरे का तेज और भगवान शिव के प्रति उनका यह समर्पण बड़ों-बड़ों को अचंभित और प्रेरित कर रहा है। पिता-पुत्री की यह जोड़ी मंदिर प्रांगण में सेवा भावना का एक सुंदर और जीवंत दृश्य प्रस्तुत कर रही है।

बचपन से मिले संस्कारों की सुंदर अभिव्यक्ति- धार्मिक जानकारों और श्रद्धालुओं का मानना है कि हंसिका की यह निष्ठा यह साफ संदेश देती है कि यदि बच्चों को बचपन से ही धार्मिक व नैतिक संस्कार दिए जाएं, तो नई पीढ़ी अपनी गौरवशाली संस्कृति और परंपराओं से कितनी गहराई से जुड़ सकती है। मंदिर में पिता का हाथ बंटाते हुए सेवा कार्य करना और पूरी तल्लीनता से मंत्रोच्चार व आरती में शामिल होना, हंसिका के पारिवारिक संस्कारों को दर्शाता है। यह दृश्य न केवल भारतीय संस्कृति में बेटियों की बढ़ती सहभागिता को रेखांकित करता है, बल्कि यह भी बताता है कि बेटियाँ किस प्रकार धार्मिक और सामाजिक परंपराओं के संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभा सकती हैं।

श्रद्धालुओं की अगाध आस्था का केंद्र है बैजनाथ धाम

उल्लेखनीय है कि बाबा बैजनाथ महादेव मंदिर न केवल बदनावर नगर, बल्कि दूर-दराज के ग्रामीण अंचलों के लाखों श्रद्धालुओं की अगाध श्रद्धा का केंद्र है। यहाँ प्रतिदिन भगवान भोलेनाथ का अत्यंत मनोहारी और दिव्य श्रृंगार किया जाता है। सुबह से ही मंदिर परिसर नमः शिवाय और हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहता है। भक्तजन कतारबद्ध होकर जल, दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से अभिषेक करते हैं तथा शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, भांग, सफेद पुष्प, शमी पत्र एवं चंदन अर्पित कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना करते हैं।

ऐसी पावन धरा पर नन्हीं हंसिका द्वारा निभाई जा रही यह निस्वार्थ सेवा और भक्ति इन दिनों पूरे नगर में चर्चा और सराहना का विषय बनी हुई है, जिसे देखकर हर कोई इस नन्हीं शिवभक्त को आशीष दे रहा है।

# मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से मिला संबल, ऑटो गैरेज संचालक बने आत्मनिर्भर

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मेहनत, अनुभव और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ किसी भी व्यक्ति के जीवन को नई दिशा दे सकता है। इसका प्रेरणादायक उदाहरण थांदला निवासी श्री जितेश पंचाल हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना (स्व्व्यङ्घ) के सहयोग से अपने सपने को साकार करते हुए सफल उद्यमी के रूप में पहचान बनाई है।

श्री जितेश पंचाल लंबे समय से ऑटोमोबाइल रिपेयरिंग एवं इंजीनियरिंग कार्य से जुड़े हुए थे। अपने व्यवसाय का विस्तार करने की इच्छा के साथ उन्होंने वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत मध्यभारत ऑटो गैरेज एंड इंजीनियरिंग वर्कशॉप की स्थापना की।

# वह माता-पिता शत्रु की तरह होते हैं जो अपनी संतान को पढ़ते नहीं अज्ञानी व्यक्ति सभा में ऐसा लगता है जैसे हंसों के बीच बगुला राष्ट्रीय उपाध्यक्ष



**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** दहेज विरोधी क्षत्रिय संगठन मध्य प्रदेश टीम की बैठक निजी कार्यालय पर संपन्न हुई जिसमें दहेज विरोधी क्षत्रिय संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह सिसोदिया ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि वह माता-पिता शत्रु के समान होते हैं जो अपनी संतान को पढ़ाते नहीं अज्ञानी व्यक्ति सभा में ऐसे लगता है जैसे हंसों के बीच बगुला इसलिए समाज में बालक और बालिका दोनों में बिना भेद करें समान अधिकार के साथ शिक्षा का ज्ञान देना चाहिए

वही दहेज विरोधी क्षत्रिय संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष महेंद्र सिंह पवार ने कहा कि फूंक मार कर दिए को बुझा सकते हैं अगरबत्ती को नहीं क्योंकि अगरबत्ती सुगंध फैलाती है उसे बुझाया नहीं जा सकता इस तरह समाज में जो अच्छे काम करते हैं समाज में फैली कुर्तियां को दूर करने का काम करते हैं ऐसे लोगों की पवित्रता को बुझाना मुश्किल है ।

उनके अच्छे कामों की सुगंध समाज में एक उत्कृष्ट दिशा और दशा को तय करती है और दहेज विरोधी संगठन ऐसे ही कार्यकर्ताओं से मिलकर बना है। श्री पवार ने 5 अप्रैल बदनावर में हुए कार्यक्रम की भी प्रशंसा की और पूरी बदनावर टीम का स्वागत किया

बैठक में आगामी 2027, 28 में जयपुर राजस्थान द्वारा संचालित क्षत्रिय युवक संघ का तीन दिवसीय बालक बालिकाओं का शिविर होना तय किया गया है जिसकी आगामी बैठक में योजना बनाई जाएगी बैठक में दहेज विरोधी क्षत्रिय संगठन के प्रदेश महासचिव पोपसिंह राठौर(पप्पी बना), जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह पवार,तहसील अध्यक्ष राजेंद्र सिंह पंवार(फून्दा बापू), भगवान सिंह राठौर, महिपाल सिंह राठौर, जया राठौर ,प्रियंका राठौर , डॉ कमल सिंह राठौर आदि समाजजन उपस्थित थे।


**कार्यालय नगर पालिका परिषद् नागदा जिला उज्जैन , पिनकोड -456335**

दूरभाष क्रमांक : 07366-241036 फेक्स 07366-238151 ई-मेल cmonagda@mpurban.gov.in

क्रमांकःएफ/राजस्व/2026/4429 नागदा,दि .10/07/2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद नार्मदा के स्वामित्व की दुकानों का अचल संपत्ति अंतरण नियम 24 फरवरी 2016 एवं संशोधित नियम दिनांक 01 मई 2021 नियम (01) (02) के अनुसार नामांतरण किया जाना प्रस्तावित है जिनका ब्यौरा निम्नानुसार है-

| स.क्रं. | दुकान क्रमांक | दुकान का पता | वर्तमान पट्टाधारी का नाम एवं पता | नाम/पिता का नाम, जिनके नाम से नामांतरण किया जाना है |
|---|---|---|---|---|
| 01 | 23 | कम्युनिटी हॉल के सामने | मो. हफीज पिता मो. युसुफ | श्रीमती मंजीत कौर पति गोपाल सलूजा |

उपरोक्तानुसार कॉलम 05 में दर्शित नामों का नगर पालिका अभिलेख में नामांतरण किया जाना है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नाम के नामांतरण किए जाने पर अपनी आपत्ति है तो वह 07 दिवस के भीतर लिखित रूप से नगर पालिका परिषद नागदा की राजस्य शाखा में प्रस्तुत करे। बाद अवधि पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं की जाएगी।

सूचित हो।

(मुख्य नगर पालिका अधिकारी)
नगर पालिका परिषद् नागदा

# दतिया उपचुनाव, बीजेपी की सभा में नरोत्तम मिश्रा हुए भावुक, बोले- आशुतोष तिवारी को जिताने हर घर के सामने शीश नवाऊंगा

## दोनों दलों के प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सोमवार को बीजेपी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में आयोजित सभा में पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा भावुक नजर आए। संबोधन के दौरान उनकी आवाज भर्रा गई और गला रुंध गया।



नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस के फूट के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा में कोई मतभेद नहीं है। हम सभी एकजुट होकर चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को जिताने के लिए वह दतिया के एक-एक घर तक जाएंगे और जनता के सामने शीश नवाएंगे।

उन्होंने कहा, ष्हम सब साथ खड़े हैं और कार्यकर्ताओं की ताकत से यह चुनाव जीतेंगे।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नरोत्तम मिश्रा के सुपुर्द आशुतोष तिवारी को किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें जिताने की जिम्मेदारी दतिया संगठन और कार्यकर्ताओं की है।

कांग्रेस में अवधेश नायक की नाराजगी से बढ़ी हलचल- दूसरी ओर कांग्रेस की सभा में पूर्व कांग्रेस नेता अवधेश नायक की गैर-मौजूदगी ने राजनीतिक चर्चाओं को तेज कर दिया है। उनकी बीजेपी में वापसी की अटकलें लगाई जा रही हैं।

अवधेश नायक ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने उनके साथ अन्याय किया है। उन्होंने बताया कि 2023 विधानसभा चुनाव में उन्हें प्रत्याशी घोषित किया गया था, लेकिन बाद में टिकट बदलकर राजेंद्र भारती को दे दिया गया। उन्होंने कहा कि इस बार भी उन्हें टिकट नहीं दिया गया।

नायक ने कहा कि बीजेपी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी उनके छोटे भाई जैसे हैं और उनके सामने सभी विकल्प खुले हुए हैं। फिलहाल वह विचार मंथन कर रहे हैं।

वहीं, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से जब अवधेश नायक की वापसी को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

दिग्विजय सिंह ने अवधेश नायक से मांगी माफी- कांग्रेस की सभा में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अवधेश नायक से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले नायक के टिकट का विरोध किया था, क्योंकि वह उस समय बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में आए थे। लेकिन 2023 चुनाव में नायक ने पूरी ईमानदारी से पार्टी के लिए काम किया।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि यदि उनकी किसी बात से अवधेश नायक का अपमान हुआ हो तो वह इसके लिए माफी मांगते हैं।

दोनों दलों के प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन- दतिया उपचुनाव के लिए सोमवार को कांग्रेस और बीजेपी दोनों के प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया।

कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने सुबह करीब 11ः30 बजे नामांकन जमा किया। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व विधायक राजेंद्र भारती सहित कई नेता मौजूद रहे।

वहीं, बीजेपी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने दोपहर करीब 2ः30 बजे नामांकन दाखिल किया। उनके साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

दतिया उपचुनाव में अब मुकाबला दिलचस्प हो गया है। दोनों प्रमुख दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है और चुनावी मैदान में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

# समाज सेवा को समर्पित 50 वर्षों का सफरः समाज सेवा के पर्याय, प्रेरणा के प्रतीक सेन रत्न श्री हरिप्रसाद गेहलोद- शिवनारायण सैन चुकनी



**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सेन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं संगठन के मुख्य सलाहकार श्री हरिप्रसाद जी गेहलोद का नाम नीमच जिले में समाज सेवा के पर्याय के रूप में जाना जाता है। सन् 1954 में नीमच नगर की ऐतिहासिक कुम्हारा गली में श्री भेरूलाल जी गेहलोद के घर जन्मे हरिप्रसाद जी ने अपने दादा स्व. डालूराम जी और पिता भेरूलाल जी से सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है÷ का संस्कार विरासत में पाया।

विद्यार्थी जीवन से ही नेतृत्व क्षमता के धनी रहे श्री गेहलोद ने एन.सी.सी., खेल और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी की। समाज सेवा को वैज्ञानिक आधार देने के उद्देश्य से उन्होंने वैद्य बिसारद, आयुर्वेद रत्न, होम्योपैथिक एवं बायोकेमिकल की विधिवत शिक्षा भी प्राप्त की। शासकीय ओपियम एवं अल्केलॉइड वर्क्स, नीमच में तकनीशियन प्रथम श्रेणी के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्होंने ड्यूटी के बाद का प्रत्येक क्षण समाज को समर्पित किया।

संगठनात्मक योगदान- 1987 में तहसील सेन समाज नीमच के सचिव के रूप में सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले श्री गेहलोद 1990 में तहसील अध्यक्ष बने। 2006 से 2017 तक 11 वर्षों तक उन्होंने जिला सेन समाज नीमच के जिलाध्यक्ष के रूप में संगठन को नई दिशा दी।

वर्तमान में वे किसी पद पर न रहते हुए भी जिला संगठन के मुख्य सलाहकार एवं वरिष्ठ परामर्शदाता के रूप में मार्गदर्शन कर रहे हैं। 1987 से 2026 तक जिला, तहसील और राजस्थान स्तर के सामूहिक विवाह सम्मेलनों में उन्होंने सह-सचिव, सचिव, संरक्षक, परामर्शदाता और अध्यक्ष जैसी विभिन्न भूमिकाएं निभाईं।

समाज को दी अमूल्य देन - श्री गेहलोद को जिला सेन समाज में सामूहिक विवाह आंदोलन का प्रणेता माना जाता है। जिला संरक्षक एवं जिला संयोजक के रूप में उन्होंने दहेज मुक्त विवाह कराकर सैकड़ों बेटियों का घर बसाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नीमच जिले की पहचान बन चुके सेन सर्किल के निर्माण में भी उनकी मुख्य भूमिका रही। इसके अलावा माँ नारायणी माता धाम एवं सेन वाटिका के जीर्णोद्धार में उन्होंने तन-मन-धन से सहयोग कर इस धाम को जिले की आस्था का केंद्र बनाया।

जिला युवा संगठन के संरक्षक रहते हुए उन्होंने युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ा। सेन परिचय पत्रिका के प्रकाशन और अल्प बचत योजना के माध्यम से उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुंचाने का प्रयास किया। संगठन के इतिहास और गतिविधियों के जीवंत कोश के रूप में आज भी सभी पदाधिकारी उनसे मार्गदर्शन लेते हैं।

पारिवारिक पृष्ठभूमि और सम्मान- श्री गेहलोद का विवाह मिनी भोपाल के नाम से प्रसिद्ध झांतला के प्रतिष्ठित परिवार में स्व. श्री रामनारायण जी सेन की सुपुत्री से हुआ। उनका घर हमेशा से शिक्षा और संस्कारों का केंद्र रहा है। उनके मार्गदर्शन में कई करीबी रिश्तेदार उनके यहां रहकर शिक्षा प्राप्त कर आज समाज और शासन में महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थ हैं।

समाज सेवा के लिए 1999 में सामूहिक विवाह सम्मेलन की सफल अध्यक्षता पर उन्हें ताम्रपत्र से सम्मानित किया गया। इसके अलावा सेनाचार्य श्री अचलानंद जी महाराज द्वारा जोधपुर में आयोजित समारोह में उन्हें चांदी की संत सेन जी महाराज की तस्वीर सप्रेम भेंट कर सम्मानित किया गया। उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए उन्हें दानवीर सेन रत्न सहित अनेक संस्थागत सम्मानों से नवाजा गया है।

# जनजातीय बालिकाओं को मिला आधुनिक शिक्षा एवं आवास का नया परिसर

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने पेटलावद में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित 50 सीटर वीरांगना रानी दुर्गावती अनुसूचित जनजाति कन्या आश्रम (अंग्रेजी माध्यम) के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। लगभग 2 करोड़ 75 लाख 43 हजार रुपये की लागत से निर्मित यह आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त भवन जनजातीय बालिकाओं को सुरक्षित आवास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि जब जनजातीय अंचल की बेटियां महानगरों के विद्यार्थियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं, तो यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय होता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्रों की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर आवासीय सुविधाएं एवं समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन ने छात्राओं के लिए आधुनिक परिसर उपलब्ध कराया है, अब इसे स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आश्रम भविष्य में अनेक प्रतिभाशाली छात्राओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। मंत्री ने आश्वासन दिया कि इस आश्रम को शीघ्र ही कक्षा 10वीं तक अंग्रेजी माध्यम में उन्नत करने के प्रयास किए जाएंगे। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सड़क जैसी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से जनजातीय अंचलों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि लंबे समय से लंबित पदोन्नति की प्रक्रिया को गति देकर सरकार युवाओं के लिए रोजगार एवं उन्नति के नए अवसर सुनिश्चित कर रही है।

# डीकेन की मुख्य बाजार की सड़क खोदकर छोड़ी, व्यापारियों का फूटा गुस्सा; ज्ञापन देकर बोले- जल्द काम शुरू करो, नहीं तो आंदोलन

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** डीकेन के मुख्य बाजार में सड़क निर्माण कार्य में हो रही देरी और अव्यवस्था को लेकर सोमवार को व्यापारियों का आक्रोश खुलकर सामने आया। समस्त व्यापारियों एवं दुकानदारों ने एकजुट होकर नगर परिषद अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नाम सामूहिक ज्ञापन सौंपते हुए सड़क निर्माण कार्य तत्काल शुरू कर निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने की मांग की। व्यापारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो वे जनहित में शांतिपूर्ण आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।



व्यापारियों का कहना है कि निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही बाजार की मुख्य सड़क पूरी तरह खोद दी गई, लेकिन कई दिनों बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका। इसके चलते सड़क उखड़ी हुई अवस्था में पड़ी है, जिससे बाजार आने वाले लोगों, वाहन चालकों, महिलाओं, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि सड़क खोदने के बाद न तो उसे समतल किया गया और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए। बैरिकेडिंग और वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था नहीं होने से दोपहिया व चारपहिया वाहनों की आवाजाही जोखिम भरी हो गई है। उबड़-खाबड़ सड़क, गिट्टी और धूल के कारण दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है।

व्यापारियों ने बताया कि सड़क पर फैली धूल और गिट्टी से दुकानों में रखा सामान प्रभावित हो रहा है। ग्राहकों और दुकानदारों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, वाहनों के गुजरने पर उछलने वाले पत्थरों से एक दुकान का कांच टूटने की घटना भी सामने आई, जिससे संबंधित व्यापारी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

व्यापारियों के अनुसार सड़क की बदहाल स्थिति का सीधा असर कारोबार पर पड़ रहा है। बाहरी क्षेत्रों से आने वाले ग्राहक बाजार आने से बच रहे हैं, जिससे छोटे और मध्यम व्यापारियों की बिक्री में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। उनका कहना है कि इसी बाजार से अनेक परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है।

ज्ञापन के माध्यम से व्यापारियों ने प्रशासन से सवाल किया कि यदि निर्माण कार्य तत्काल शुरू नहीं होना था तो सड़क को पहले ही क्यों खोद दिया गया। उनका कहना है कि बिना स्पष्ट कार्ययोजना और समय-सीमा के मुख्य बाजार की सड़क को क्षतिग्रस्त करना प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है।

व्यापारियों ने मांग की कि निर्माण कार्य तत्काल शुरू कर गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा कराया जाए। साथ ही देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित निर्माण एजेंसी सांवरिया कंस्ट्रक्शन की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्माण कार्य पूरा होने तक नियमित पानी का छिड़काव, सुरक्षा संकेतक और बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की।

व्यापारियों ने कहा कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, बल्कि चाहते हैं कि विकास कार्य सुव्यवस्थित, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरे हों ताकि आमजन और व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। ज्ञापन की प्रतिलिपि मुख्य नगर पालिका अधिकारी, तहसीलदार, एसडीएम तथा संबंधित निर्माण एजेंसी को भी भेजी गई है। अब व्यापारियों और नगरवासियों की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

# भादवामाता में रावत मीणा समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह, 150 मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

## स्कूल बैग, शील्ड, मेडल और बेलपत्र के पौधे भेंट कर बढ़ाया हौसला, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शिक्षा के प्रति जागरूकता और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रावत मीणा समाज द्वारा रविवार को भादवामाता स्थित समाज धर्मशाला में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीब 150 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।



समारोह में सम्मानित विद्यार्थियों को स्कूल बैग, शील्ड, मेडल और पेन प्रदान किए गए। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रत्येक विद्यार्थी को बेलपत्र का पौधा भी भेंट किया गया। आयोजन का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों का सम्मान करना ही नहीं बल्कि उन्हें शिक्षा के साथ-साथ प्रकृति और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार बनाना था।

कार्यक्रम में उपस्थित समाज के वरिष्ठजनों और पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज, परिवार और राष्ट्र की प्रगति का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और संस्कारों को जीवन का हिस्सा बनाकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही भविष्य में समाज और देश का नेतृत्व करेंगे, इसलिए उन्हें शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों को भी अपनाना चाहिए।

समारोह में प्रदेश महामंत्री डॉ. बी.एल. रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीसिंह रावत, प्रदेश महामंत्री प्रीतम सिंह रावत (सबलगढ़), प्रदेश सचिव राजकुमार मीणा, जिला अध्यक्ष बापूलाल, महिला जिला अध्यक्ष ऊर्मी रावत, जनपद सदस्य राजाराम रावत (कराड़िया), पूर्व जिला अध्यक्ष डुगर रावत, पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश अकेपुर, जिला उपाध्यक्ष मुकेश कचोली, जिला महामंत्री गोपाल मीणा, सरपंच रूपनारायण, सरपंच केशरलाल डोडिया मीणा, दुलीचंद मीणा नीमच, देवकिशन गागनियाखेड़ी, घनश्याम नरसिंहपुरा, भेरूलाल , मन्नालाल धामनिया, मंडल अध्यक्ष मदनलाल , कारूलाल चचोर, मंगल मीणा मनासा, कोषाध्यक्ष सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश- आयोजकों ने बताया कि इस वर्ष समारोह में एक नई पहल के तहत प्रत्येक सम्मानित विद्यार्थी को बेलपत्र का पौधा भेंट किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और पौधारोपण को बढ़ावा देना है। समाज के पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों से पौधों की देखभाल करने और हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने का संकल्प लेने की अपील की।

समाज की एकजुटता का बना मंच समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावकों, समाजजनों और युवाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान समाज की एकजुटता, शिक्षा के महत्व और नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के विषय पर भी चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने ऐसे आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए भविष्य में भी नियमित रूप से प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, समाज में शिक्षा के प्रसार और सामाजिक एकता के संकल्प के साथ हुआ। सम्मानित विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी पहल बताया।

# सुखानंद धाम के सत्यानंद आश्रम में 29 जुलाई को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** अरावली पर्वतमाला की रमणीय वादियों में स्थित प्राचीन धार्मिक एवं तपोभूमि श्री सुखानंद धाम में श्री सत्यानंद आश्रम में इस 28 एवं 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। आश्रम के प्रमुख स्वामी सत्यानंद सरस्वती (पीएचडी, दर्शन शास्त्र) के सान्निध्य में आयोजित होने वाले इस महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार भागवत रचयिता महर्षि वेदव्यास के पुत्र परम तपस्वी मुनि श्री सुखदेव जी की तपोस्थली माने जाने वाले सुखानंद धाम में प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा पर्व पर हजारों श्रद्धालु गुरु पूजन एवं आध्यात्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। इस वर्ष भी क्षेत्र सहित दूर-दराज़ से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

महोत्सव की तैयारियों को लेकर आश्रम परिसर में भक्त मंडल की बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर व्यास पूजन, हवन, पादुका पूजन, विशेष पूजा-अर्चना, आध्यात्मिक प्रवचन तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के अनुसार 28 जुलाई की रात्रि को सुप्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा भव्य भजन संध्या आयोजित की जाएगी, जिसमें गुरु महिमा एवं भक्ति रस से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दी जाएंगी। वहीं 29 जुलाई को प्रातः से गुरु पूजन, वैदिक अनुष्ठान, स्वामी सत्यानंद सरस्वती जी के आशीर्वचन एवं महाप्रसादी का क्रम चलेगा।

बैठक में भक्त मंडल के प्रमुख गोपाल हलवाई, पप्पू हलवाई, भागीरथ गुड्डा हलवाई, कैलाश पाराशर (नीमच), डॉ. मुकेश दुबे, नरेंद्र सोनी, नरेंद्र सिंह, ओंकार सिंह, निबोदा , जगपाल सिंह, फूलचंद धाकड़ अध्यापक, नंदकिशोर धाकड़ (कोचवा), सचिन जैन, दिनेश धनगर, विनोद बंबोरिया, धाकड़ तुंबा, कन्हैयालाल धाकड़, सरदार जगदीश धाकड़, हनुमंतिया, पप्पू सिंह पवार दलेंद्र सिंह सिसोदिया नंदकिशोर पटेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्त मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। आश्रम एवं भक्त मंडल ने क्षेत्रवासियों से गुरु पूर्णिमा महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर गुरु कृपा का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा धर्म लाभ लेने का आग्रह किया है।

# नीमच के फ़ैशन QNX कपड़ा शोरूम में फिल्मी अंदाज में हाईटेक चोरी, चौथी मंजिल की दीवार तोड़कर घुसे शातिर बदमाश

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में एक बार फिर शातिर चोरों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए बेहद सुनियोजित तरीके से चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। इस बार चोरों ने कैंट थाना क्षेत्र स्थित शहर के प्रतिष्ठित फ़ैशन त्फ्छ्ङ कपड़ा शोरूम को निशाना बनाया। रविवार और सोमवार की दरमियानी रात बदमाशों ने निर्माणाधीन मकान में लगे स्टैंड का सहारा लेकर शोरूम की चौथी मंजिल की छत तक पहुंचने का जोखिम उठाया। जब छत से दुकान के अंदर प्रवेश का कोई रास्ता नहीं मिला तो बदमाशों ने दीवार में सेंध लगाकर अंदर प्रवेश किया और गल्ले में रखी करीब एक से डेढ़ लाख रुपये की नकदी चोरी कर फरार हो गए।

सुबह खुला शोरूम तो उड़ गए होश- सोमवार सुबह शोरूम संचालक शिव महेश्वरी रोजाना की तरह दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। गल्ला टूटा हुआ था और उसमें रखी नकदी गायब थी। दुकान के भीतर दीवार में किया गया छेद भी दिखाई दिया, जिससे स्पष्ट हो गया कि चोर मुख्य दरवाजे से नहीं बल्कि दीवार तोड़कर अंदर घुसे थे। घटना की सूचना तत्काल कैंट थाना पुलिस को दी गई।

स्टैंड के सहारे पहुंचे छत तक, फिर दीवार तोड़कर बनाई एंट्री- प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शोरूम के समीप एक निर्माणाधीन मकान का काम चल रहा है। बदमाशों ने उसी मकान में लगे स्टैंड (मचान) का इस्तेमाल कर चौथी मंजिल की छत तक पहुंचने का रास्ता बनाया। छत से अंदर जाने का रास्ता नहीं मिलने पर उन्होंने दीवार में सेंध लगाई और उसी रास्ते से शोरूम में प्रवेश कर वारदात को अंजाम दिया। पूरी घटना से साफ है कि चोर पहले से पूरी रेकी कर चुके थे और उन्होंने पूरी योजना बनाकर चोरी की।

सीसीटीवी में कैद हुआ संदिग्ध, गैंग होने की आशंका- घटना के बाद पुलिस ने शोरूम और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू किया। फुटेज में एक संदिग्ध युवक चोरी करते हुए दिखाई दिया है। हालांकि पुलिस का मानना है कि वारदात को देखते हुए इसमें एक से अधिक बदमाश शामिल हो सकते हैं। आशंका है कि एक आरोपी अंदर चोरी कर रहा था, जबकि उसके साथी बाहर निगरानी और रेकी कर रहे थे।

# कलेक्टर की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समयावधि पत्रों एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, जनहित से जुड़े कार्यों तथा आगामी सप्ताह की प्राथमिकताओं की विस्तार से समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समयावधि बैठक में पहली बार विभागीय अधिकारियों द्वारा विगत एक सप्ताह में किए गए कार्यों का प्रेजेंटेशन (प्रस्तुतीकरण) कराया गया। इस अभिनव पहल के अंतर्गत अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग के प्रमुख कार्यों, उपलब्धियों, प्रगति एवं नवाचारों का 3 से 4 स्लाइड के संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विवरण प्रस्तुत किया। इस व्यवस्था के माध्यम से विभागों के कार्यों की नियमित समीक्षा, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने की दिशा में एक नई शुरुआत की गई। प्रस्तुतीकरण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान ने जल संरचनाओं एवं जल स्रोतों की गणना कार्य की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि जिले के 779 ग्रामों में से 552 ग्रामों में 18,474 जल संरचनाओं की गणना पूर्ण की जा चुकी है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

# महाकाल मंदिर में बुजुर्ग और दिव्यांग पैदल चलने को मजबूर, ई-कार्ट सिर्फ खास लोगों के लिए

**40 से ज्यादा ई-कार्ट होने के बावजूद आम श्रद्धालुओं को नहीं मिल रही सुविधा- बैठाने का कहने पर ड्राइवरों द्वारा की जा रही लोगों से अभद्रता**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शुरू की गई ई-कार्ट सेवा आम श्रद्धालुओं की बजाय वीआईपी मेहमानों को दी जा रही है। हालात यह हैं कि बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाएं और छोटे बच्चों के साथ आए परिवारों को लंबी दूरी पैदल तय करनी पड़ रही है, जबकि ई-कार्ट खाली या वीआईपी ड्यूटी में दौड़ती नजर आती हैं।

उल्लेखनीय है कि महाकाल मंदिर समिति ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत आम श्रद्धालुओं के वाहनों की एंट्री करीब एक किलोमीटर पहले ही रोक रखी है। नीलकंठ द्वार, त्रिवेणी संग्रहालय और हरसिद्धि चौराहे से आगे दर्शनार्थियों को पैदल जाना पड़ता है। इन्हीं लोगों की सुविधा के लिए विभिन्न सामाजिक और कॉर्पोरेट संस्थाओं ने मंदिर समिति को 40 से अधिक ई-कार्ट उपलब्ध कराई थीं, ताकि बुजुर्ग, दिव्यांग और जरूरतमंद श्रद्धालुओं को मानसरोवर और शंख द्वार तक आसानी से पहुंचाया जा सके। लेकिन श्रद्धालुओं का आरोप है कि यह सुविधा अब आम लोगों के लिए लगभग बंद हो गई है। अधिकांश ई-कार्ट वीआईपी मेहमानों की आवाजाही में लगी रहती हैं। जब बुजुर्ग या चलने में असमर्थ श्रद्धालु ड्राइवरों से बैठाने का अनुरोध करते हैं तो उन्हें यह कहकर मना कर दिया जाता है कि गाड़ी वीआईपी ड्यूटी पर है।श्रद्धालुओं ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार सवाल पूछने पर ड्राइवर और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी ठीक नहीं रहता। कुछ लोग अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए नौकरी का हवाला देकर यात्रियों को बैठाने से साफ इंकार कर देते हैं। इससे दूर-दराज से दर्शन करने आए श्रद्धालुओं में नाराजगी बढ़ रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि ई-कार्ट सेवा सभी के लिए शुरू की गई थी तो उसका लाभ भी समान रूप से मिलना चाहिए। खासकर बुजुर्गों, दिव्यांगों और असहाय श्रद्धालुओं को प्राथमिकता देने के बजाय यदि सुविधा केवल वीआईपी तक सीमित हो जाए तो सेवा का उद्देश्य ही खत्म हो जाता है। अब श्रद्धालु मंदिर समिति से व्यवस्था में सुधार और ई-कार्ट सेवा को पारदर्शी तरीके से संचालित करने की मांग कर रहे हैं।

# हरिफाटक ब्रिज पर फिर फूटी 24 इंच की पाइपलाइन, लाखों लीटर पानी बहा

**सोमवार सुबह कई क्षेत्रों की कॉलोनियों की जलापूर्ति हुई ठप**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** हरिफाटक रेलवे ओवरब्रिज के दोहरीकरण कार्य के दौरान रविवार दोपहर एक बार फिर निर्माण एजेंसी की लापरवाही सामने आई। खुदाई के दौरान 600 एमएम (24 इंच) व्यास की मुख्य पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे तेज दबाव के साथ लाखों लीटर पानी सड़क पर बह गया। काफी देर तक पानी व्यर्थ बहता रहा और बाद में मरम्मत कार्य शुरू किया गया। इसके कारण सोमवार सुबह नीलगंगा क्षेत्र के कई इलाकों में जलप्रदाय नहीं हो पाया।

इस पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने का असर आज सोमवार सुबह शहर की जलापूर्ति पर भी दिखाई दिया। नीलगंगा क्षेत्र के हनुमान नाका और अंबर कॉलोनी सहित आसपास के इलाकों में निर्धारित समय पर पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। नलों में पानी नहीं आने से लोगों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। कई परिवारों को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी। बताया जा रहा है कि यह पाइपलाइन शहर की प्रमुख जलापूर्ति लाइनों में शामिल है। इसके टूटने से न केवल बड़ी मात्रा में पेयजल बर्बाद हुआ, बल्कि मरम्मत के कारण प्रभावित क्षेत्रों में जलप्रदाय भी बाधित रहा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में सड़क और पुल निर्माण के दौरान पाइपलाइन टूटने की घटनाएं अब आम हो गई हैं। इसके बावजूद निर्माण एजेंसियां भूमिगत पाइपलाइन की जानकारी लेकर सावधानी नहीं बरत रहीं। हर बार लाखों लीटर पेयजल बर्बाद होता है और आम नागरिकों को जल संकट झेलना पड़ता है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले तकनीकी सर्वे, संबंधित विभागों के समन्वय और भूमिगत नेटवर्क की स्पष्ट जानकारी सुनिश्चित की जाए, ताकि बार-बार होने वाली ऐसी घटनाओं पर स्थायी रोक लग सके।

## पुलिस विभाग के मुखिया की माता का निधन

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश पुलिस विभाग के मुखिया (डीजीपी) की माता का सोमवार सुबह निधन हो गया। खबर मिलते ही पुलिस विभाग के अधिकारी राजस्व कॉलोनी पहुंच गए । दोपहर 12 बजे अंतिम यात्रा शुरू हुई चक्रवर्ती पर अंतिम विदाई दी गई। मध्य प्रदेश पुलिस विभाग के डीजीपी कैलाश मकवाना मूल रूप से उज्जैन के निवासी हैं। उनकी 86 वर्षीय माता गंगादेवी मकवाना माधव नगर थाना क्षेत्र के राजस्व कॉलोनी में निवास करती थी। पिछले काफी दिनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था। इंदौर अस्पताल में उपचार भी चल रहा था। इसी बीच सुबह खबर सामने आई कि डीजीपी की माता का निधन हो गया है। पुलिस विभाग में जैसे ही खबर पहुंची, संभागआयुक्त आशीष सिंह से लेकर, आईजी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा सहित तमाम अधिकारी राजस्व कॉलोनी पहुंच गए थे। दोपहर में उनकी अंतिम यात्रा निकल गई जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहर के सभी थाना प्रभारी शामिल हुए।

# सेंट्रल जेल में अधीक्षक के बर्थडे पर डांस पार्टी, वीडियो वायरल

**जेल परिसर में केक काटा, ऑर्केस्ट्रा भी हुआ- डिप्टी जेलर समेत कर्मचारियों ने फिल्मी गाने पर लगाए ठुमके, बोले- तनाव दूर करने के लिए किया डांस**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** भैरवगढ़ स्थित केंद्रीय जेल में जेल अधीक्षक के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में डिप्टी जेलर समेत कई जेलकर्मी फिल्म अभिनेता गोविंदा के लोकप्रिय गीत %आपके आ जाने सेज% पर डांस करते दिखाई दे रहे हैं। मामला 9 जुलाई का बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, केंद्रीय जेल के अधीक्षक मनोज साहू के जन्मदिन के अवसर पर जेल परिसर के भीतर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान केक काटा गया और मनोरंजन के लिए ऑर्केस्ट्रा की भी व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में जेल के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

वायरल वीडियो में डिप्टी जेलर सुरेश गोयल वर्दी में फिल्मी गाने पर नाचते नजर आ रहे हैं। उनके साथ अन्य जेलकर्मी भी डांस करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। मामले में डिप्टी जेलर सुरेश गोयल ने कहा कि जेल का काम काफी तनावपूर्ण होता है। जेल अधीक्षक के जन्मदिन पर दिनभर के कामकाज के बाद कर्मचारियों का तनाव कम करने के उद्देश्य से यह सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें सभी ने मिलकर डांस किया। फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद यह आयोजन चर्चा का विषय बना हुआ है।

## एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत 111 पौधों का वृक्षारोपण किया गया

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** उज्जैन जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री दीपक चौधरी ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत गत दिवस ग्राम तालोद में 111 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री शोभाराम मालवीय, श्री अर्जुन सिंह रघुवंशी, श्री शरद अग्रवाल, श्री शैलेंद्र शर्मा, श्री वीरेंद्र आंजना, श्री मांगीलाल मालवीय,श्री राजेंद्र सिंह सिसोदिया, राघौपिपल्या सरपंच श्री शिवजी पाटीदार, करोहन सरपंच श्री गजेंद्र सिंह ,मिट्टी परीक्षण अधिकारी श्री सी.पी. पाटीदार जी, श्री महिपाल सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

## पुलिसकर्मी बनकर वृद्धा और बैंक मैनेजर से आभूषण करने वाला गिरफ्तार

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सालभर पहले पुलिसकर्मी बनकर सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर और संत्सग में जा रही वृद्धा को झांसा देकर आभूषण ठगने वाले बदमाश को पुलिस मुम्बई जेल से लेकर आई है। उसके साथी फरार है, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।

जुलाई 2025 में कोतवाली थाना क्षेत्र के नगर निगम के सामने बाइक से आये दो बदमाशों ने सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर सतीश कुमार पिता माणकलाल गुप्ता 66 वर्ष निवासी ऋषिनगर को सुबह के समय रोक लिया था और खुद को पुलिसकर्मी बताकर कहा था कि आगे चेन स्नेचिंग हो गई है। अपने आभूषण उतारकर रख लो। गुप्ता उनकी बातों में आ गये थे और गले में पहनी सोने की चेन, पेंडल, हाथों में पहनी तीन अंगूठी व सोने का ब्रेसलेट उतार दिया। दोनों ने उनके आभूषणों को कागज की पुडिया बांधकर वापस दिया था। लेकिन कुछ देर बाद पुड़िया में आभूषण नहीं मिले थे। एक घंटे बाद बदमाशों ने नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के काला पत्थर स्थित बसंत बिहार में रहने वाली आशा अडवानी 60 वर्ष को आगे लूट होना और खुद को पुलिसकर्मी बताकर उनके सोने के कंगन और चेन उतारकर पर्स में रखने की बात कहीं थी और गायब कर दी थी। आशा अडवानी सत्संग में जाने के लिये कालापत्थर पर परिवहन वाहन का इंतजार कर रही थी। नानाखेड़ा पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया था और आशंका जताई गई थी वारदात को ईरानी गैंग के बदमाशों ने अंजाम दिया है। सालभर बाद खबर सामने आई कि मुम्बई पुलिस ने लूट के मामले में ईरानी बदमाश हुसैनी पिता सैय्याज सैय्यद 45 वर्ष निवासी इरंग नगर खड़कपाडा मुंबई महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ में उज्जैन में पुलिसकर्मी बनकर की गई ठगी का खुलासा हुआ है। नानाखेड़ा थाना पुलिस की टीम मुम्बई पहुंची और बदमाश को प्रोटेक्शन रिमांड पर उज्जैन लाया गया। जिसे रिमांड पर लिया गया है। बदमाश के साथियों की जानकारी जुटाने के साथ ठगे गये आभूषण बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

# महाकाल की पहली सवारी 3 अगस्त और शाही सवारी 7 सितंबर को

**बैठक में फैसला, 5 एलईडी रथ, 15 मेडिकल पॉइंट, थीम आधारित झांकियां और सवारी मार्ग पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** भगवान महाकालेश्वर की श्रावण-भादौ मास की पहली सवारी 3 अगस्त से शुरू होगी, जबकि अंतिम राजसी सवारी 7 सितंबर को निकलेगी। श्रावण में चार और भादौ में दो सवारियां निकाली जाएंगी।

इसे लेकर विगत दिवस महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने सभी विभागों को समय-सीमा में तैयारियां पूरी करने के निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित दर्शन कराना सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

बैठक में तय किया गया कि इस बार भी प्रत्येक सवारी थीम आधारित होगी। जनजातीय सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुतियां, आकर्षक झांकियां और श्रद्धालुओं के लिए पांच एलईडी रथ शामिल किए जाएंगे, ताकि दूर खड़े श्रद्धालु भी भगवान महाकाल के दर्शन कर सकें। सवारी मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, बैरिकेडिंग, सफाई, पेयजल, चिकित्सा और निर्बाध बिजली व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 15 स्थानों पर मेडिकल टीमें तैनात रहेंगी तथा 24 घंटे एंबुलेंस सेवा उपलब्ध रहेगी।

श्रावण-भादौ के दौरान मंदिर के पट प्रतिदिन सुबह 3 बजे खुलेंगे, जबकि प्रत्येक सोमवार को भस्म आरती के लिए पट 2.30 बजे खुलेंगे। सामान्य दर्शन त्रिवेणी संग्रहालय की ओर से निर्धारित मार्ग से होंगे, जबकि शीघ्र दर्शन के लिए गेट नंबर 1 और 5 से प्रवेश मिलेगा। जल अर्पण की व्यवस्था सभामंडप और कार्तिकेय मंडपम में जलपात्रों के माध्यम से रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सात स्थानों पर जूता स्टैंड और छह स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी। कांवड़ यात्रियों को मंगलवार से शुक्रवार तक विशेष मार्ग से प्रवेश देकर जल अर्पण कराया जाएगा। शनिवार, रविवार और सोमवार को अधिक भीड़ के कारण किसी भी कांवड़ दल को अनुमति नहीं दी जाएगी। बैठक में यह भी तय हुआ कि सावन के तीसरे सोमवार को नागचंद्रेश्वर दर्शन और सवारी एक साथ होने की स्थिति में अलग से व्यवस्था तय की जाएगी। सवारी मार्ग पर दिशा-सूचक बोर्ड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, कार्यपालिक दंडाधिकारियों की तैनाती तथा नगर निगम द्वारा सुरक्षा और सफाई की विशेष व्यवस्था भी की जाएगी।

## ट्रेन के सामने कूदा युवक, अस्पताल में मौत

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के सामने एक युवक कूद गया। ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर घायल हो गया था उसे चरक अस्पताल लाया गया जहां उसकी मौत हो गई। जीआरपी ने बताया कि आरपीएफ की टीम ने प्लेटफार्म नंबर एक पर चलती ट्रेन की चपेट में आए घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया था जहां देर शाम उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर मामले में मर्ग कायम किया गया। युवक का नाम अजय पिता कैलाश 19 वर्ष निवासी ग्राम कावड़ियाय जिला खंडवा सामने आया है उसके परिजनों को सूचना देने के प्रयास किए गए हैं आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। युवक के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना स्टेशन मास्टर द्वारा दी गई थी। युवक की मौत का घटनाक्रम जांच में है उसके बाद ही स्पष्ट होगा कि उसने आत्महत्या की है या फिर वह ट्रेन से गिरा था।

जहर खाने वाले ग्रामीण की मौत- माकडोन के ढाबला हरदू में रहने वाले ग्रामीण आत्माराम पिता ओंकारलाल ने जहरीला पदार्थ खा लिया था, परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया था जहां रात में उसकी मौत हो गई। माधव नगर थाना पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है परिजनों ने बताया कि आत्माराम दो बच्चों का पिता था उसने जहरीला पदार्थ क्यों खाया इसकी वजह पता नहीं है। आशंका जताई जा रही है कि आर्थिक परेशानी के चलते उसने मौत को गले लगाया है

## भैंस चोरी करने वाले अवैध शराब के साथ पकड़ाये

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कच्ची जहरीली अवैध शराब का परिवहन कर रहे दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया तो उनसे लाखों की भैंस चोरी का खुलासा हो गया। पुलिस ने दोनों बदमाशों की निशान देही पर ढाई लाख कीमत के दो भैंस बरामद की है। बदमाशों के पास से 70 लीटर शराब जप्त होना सामने आया है।

भाटपचलाना थाना पुलिस ने बताया कि रविवार रात लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी-13-झेड एफ-9387 में अवैध जहरीली शराब का परिवहन होने की खबर मिलने पर थाना क्षेत्र में घेराबंदी की गई और लोडिंग वाहन को पकड़ा गया। उसमें से 70 लीटर कच्ची जहरीली शराब से भारी केन बरामद हो गई। लोडिंग में सवार दोनों युवकों को हिरासत में लिया गया और पूछताछ शुरू की गई, उनके नाम राहुल पिता नागुलाल मालवीय जाति बलाई 26 वर्ष और ऊंकार पिता वजेसिंह चन्द्रावत जाति राजपूत 32 वर्ष निवासी बपैया थाना महिदपुर रोड सामने आए। दोनों से जारी पूछताछ में अन्य मामलों की जानकारी जुटा गई तो उन्होंने 24 जून को ग्राम कमठाना से दो मुर्रा भैस चोरी करना भी स्वीकार कर लिया। भैंस चोरी की शिकायत प्रकाश पिता अमृतलाल पाटीदार निवासी ग्राम कमठाना द्वारा पूर्व में दर्ज कराई गई थी। थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि दोनों बदमाशों की निशान देही पर ढाई लाख रुपए कीमत की दोनों भैंस बरामद की गई है। दोनों बदमाशों को सोमवार दोपहर न्यायालय में पेश किया गया था जहां से जेल भेजा गया है।

## अतिक्रमण हटाने के लिए महापौर मुकेश टटवाल स्वयं उतरे मैदान में, माइक से की मुनादी

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियों एवं शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से सोमवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल स्वयं नगर निगम के रिमूवल वाहन से माइक लेकर बाजारों में पहुंचे और अतिक्रमण हटाने के लिए मुनादी की। महापौर ने व्यापारियों से अपील की, कि वे दुकानों के बाहर रखा सामान तत्काल हटाकर अपनी निर्धारित सीमा के भीतर ही व्यापार करें।

महापौर ने कंठाल चौराहा, नई सड़क, एटलस चौराहा, फव्वारा चौक एवं इंदौर गेट क्षेत्र में मुनादी करते हुए कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों पर चौड़ीकरण कार्य प्रगति पर है, जिससे अन्य मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में सड़क पर रखा व्यापारिक सामान आमजन और वाहनों की आवाजाही में बाधा बन रहा है।

महापौर ने व्यापारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि दुकानों के बाहर रखा सामान नहीं हटाया गया तो नगर निगम द्वारा जब्ती की कार्यवाही भी की जाएगी साथ ही जब्त किए गए सामान को वापस नहीं किया जाएगा। महापौर श्री टटवाल ने कहा कि जिस प्रकार शहर के जागरूक नागरिक सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियों के लिए मार्ग चौड़ीकरण कार्य में सहयोग करते हुए अपने भवनों को स्वेच्छा से हटाव कर रहे हैं, उसी प्रकार व्यापारियों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपनी दुकान की सीमा के भीतर रहकर ही व्यापार करें।

## बसंत विहार और सुभाष नगर से कुछ घंटे में चोरी हुई दो कार

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** करोड़ों के मोबाइल चोरी की वारदात के बाद बदमाशों ने शनिवार-रविवार नीलगंगा और नानाखेड़ा थाना क्षेत्र से लाखों रूपये कीमत की 2 क्रेटा कार चोरी कर ली। चुराई कारे इंदौर की ओर जाती दिखाई दी है। पुलिस कैमरों की मदद से बदमाशों का पता लगाने के प्रयास में लगी है। बताया जा रहा है कि रात में कार चोरी करने वाले बदमाशों ने सबसे पहले नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के बसंत विहार में रहने वाले पटवारी त्रिलोकचंद यहां दस्तक दी। उनके घर के बाहर खड़ी क्रेटा कार को चंद मिनट में चोरी करने के बाद बदमाश नीलगंगा थाना क्षेत्र के सुभाषनगर पहुंचे। जहां जयश्री होटल में ठहरे आशीष कुमार सोनी की क्रेटा कार को चोरी कर लिया। सोनी परिवार धार्मिक यात्रा पर उज्जैन आया था। रविवार सुबह 2 थाना क्षेत्र से एक की कंपनी की 2 कारे चोरी होने पर दोनों थाना पुलिस बदमाशों का पता लगाने के लिये निकल पड़ी। कैमरों के फुटेज खंगालना शुरू किये गये। इस दौरान सामने आया कि बसंत बिहार से चुराई कार से बदमाश सुभाषनगर तक पहुंचे थे, उसके बाद 2 बदमाशों ने दूसरी कार चोरी की ओर इंदौररोड की ओर निकल गये। पुलिस इंदौर जाने वाले मार्ग पर लगे कैमरों के फुटेज खंगालने में लगी है। विदित हो कि एक दिन पहले शुक्रवार-शनिवार रात को माधवनगर थाना क्षेत्र में कार से आये बदमाशों ने 2 मोबाइल दुकानों का शटर उचकाने के बाद करोड़ों के मोबाइल चोरी कर लिये थे।

## बाबा महाकाल के सवारी मार्ग छत्रीचौक से सत्यनारायण मंदिर, हरसिध्दि पाल से रामघाट तक सभी कार्यों को 20 जुलाई तक तत्काल पूर्ण करें - निगम आयुक्त

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** बाबा महाकाल की सवारी के मुख्य मार्ग निर्माणधीन हरसिद्धि पाल से रामघाट सत्यनारायण मंदिर से छत्री चौक तक रविवार रात्रिकालीन शिफ्ट में निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा निरीक्षण किया गया एवं चौड़ीकरण कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने बाबा महाकाल के सवारी मार्ग हरसिद्धि पाल से रामघाट मार्ग पर निर्माणाधीन रिटर्निंग वॉल, गेबियनवाल का अवलोकन कर संबंधित निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि बाबा महाकाल की सवारी के मुख्य मार्ग पर सभी कार्य पूर्ण गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए तक शीघ्र पूर्ण करे।

सत्यनारायण मंदिर से छत्री चौक तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य के निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित ठेकेदार ने बताया गया कि सत्यनारायण मंदिर से कमरी मार्ग तक पीक्यूसी सड़क निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा सम्बन्धित एजेंसी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि दिन के साथ रात्रि कालीन शिफ्ट में आवश्यक बैरिकेडिंग कर कमरी मार्ग से छत्री चौक तक डीएलसी कर आईसी चौंबर कार्य को पूर्ण करने के साथ शीघ्र (पीक्यूसी) सड़क निर्माण कार्य को तत्काल पूर्ण करे साथ ही कमरी मार्ग से छत्री चौक तक शेष कार्यों को पूर्ण करते हुए मार्ग पर 150 मीटर तक नालियों को ढकने (कवर्ड)करे, छत्री चौक (टंकी) पर क्रॉसिंग ड्रेन का कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराया जाए। बाबा महाकाल सवारी मार्ग चौड़ीकरण के समस्त कार्यों को 20 जुलाई तक फिनिशिंग कार्य पूर्ण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री श्री हिमांशु तिवारी, सहायक यंत्री श्री शिवम दुबे, उपयंत्री श्री राजेंद्र रावत, टाटा कंपनी के प्रतिनिधि, सम्बन्धित कार्य के ठेकेदार एवं कंसलटेंट उपस्थित रहे।

## शासकीय भूमि से निगम द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई

**उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** वार्ड क्रमांक 05 इंदिरा नगर एक्सटेंशन बगीचे के पास शासकीय भूमि पर सर्व संबंधित अशोक पिता प्रभु लाल मालवीय द्वारा बिना अनुमति के अवैध रूप से अतिक्रमण करते हुए निर्माण किया गया जिसे सोमवार को नगर निगम द्वारा कार्यवाही करते हुए जेसीबी मशीन से हटाया गया। सर्व संबंधित को नगर निगम द्वारा पूर्व में नोटिस जारी करते हुए सूचित किया गया था कि जो अवैध अतिक्रमण किया गया है उसे हटा लें अन्यथा नगर निगम द्वारा हटाने की कार्यवाही की जाएगी संबंधित द्वारा दिए गए नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया गया जिसके क्रम में कार्यवाही भवन अधिकारी श्री राजकुमार राठौर, भवन निरीक्षक श्री शिवम गुप्ता, अतिक्रमण गैंग एवं पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में की गई।

## अंतर्राष्ट्रीय मंच पर फिर लहराया तिरंगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोलंबिया के बुकारामांगा में आयोजित 56वीं इंटरनेशनल फ़िज़िक्स ओलंपियाड 2026 में गोल्ड मेडल जीतने वाले युवाओं को बधाई देकर उनके उज्ज्वल एवं मंगलमय भविष्य की कामना की है।

## निगम अध्यक्ष द्वारा वार्ड 40 अंतर्गत 45 लाख की लागत से बनने वाली सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न किया

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत निगम मद की राशि रुपए लगभग 45 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन सोमवार को निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के मुख्य आतिथ्य एवं नगर महामंत्री श्री आनंद सिंह खींची, मंडल अध्यक्ष श्री हरीश सोलंकी, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती जानी बाई सतीश राठौर, जोन अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम मालवीय की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत नगर निगम द्वारा निगम मद की राशी रुपए लगभग 45 लाख की लागत से बजरंग नगर की विभिन्न गलियों में सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण का कार्य होगा जिससे क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी बारिश के दौरान जल भराव की समस्या से निजात मिलेगी क्षेत्र के निवासी नाली की सौगात मिलने से खुश नजर आए साथ ही जिस प्रकार उज्जैन शहर में लगातार विकास एवं निर्माण कार्य की सौगातें मिल रही है यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। इस दौरान श्री जितेंद्र कुवाल, श्री कल्याण शिवहरे, श्री प्रिंस लोदवाल, श्री मोनू यादव श्री पप्पू सिंह, श्री इंद्रमणि राजपूत, श्री महेंद्र मरमट, श्री सुनील गौठवाल, श्री गोलू दरबार, श्री परमानंद प्रजापत, श्री हनीफ खान, श्री राजेश पाटीदार, श्री इंदर सिंह गहलोत, श्री सुनील बैंडवाल, श्री गौतम शेरे, श्री विकास चौहान, श्री पप्पू राठौर आदी।